2020 से 2022

Web Portal
www.ghatatighatana.com
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -02,बुधवार ,02 नवम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

माता-पिता,भगिनी,बंधु, स्त्री,पुत्र-पुत्री और सेवक-सेविका के साथ वाद-विवाद मत करो।

- मनु -

हादसे के तीसरे दिन मोरबी पहुंचे पीएम मोदी

घायलों और अपनों को खोने वाले परिवारों से मिले,टूटे ब्रिज का मुआयना भी किया

गांधीनगर, 01 नवम्बर 2022। पीएम मोदी ने मोरबी के सिविल अस्पताल में भर्ती ब्रिज हादसे में घायल लोगों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। गुजरात में ब्रिज हादसे के दो दिन बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोरबी पहुंचे। यहां उन्होंने सिविल अस्पताल में घायलों से मिलकर उनका हाल जाना। इसके बाद वे अपनों को खोने वाले परिवारों से एसपी ऑफिस में मिले। उन्होंने यहां अफसरों के साथ बैठक भी की। मोरबी आते ही पीएम ने सबसे पहले घटनास्थल पहुंचकर मच्छू नदी पर टूटे ब्रिज का मुआयना किया।

मोरबी में 30 अक्टूबर की शाम हुए पुल हादसे में अब तक 135 शव बरामद हुए हैं। शवों की तलाश मंगलवार को भी की गई। ह्ष्ठक्रस्न के मुताबिक नदी में 2 और शव फंसे हो सकते हैं। 125 लोगों की टीम और 12 नावों के साथ गोताखोर तलाशी कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी मोरबी में दुर्घटनास्थल पर पहुंचे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोरबी में हादसे वाली जगह पहुंच गए हैं. वे अधिकारियों से बात कर घटनास्थल का मुआयना कर रहे हैं. कुछ देर में वे अस्पताल जा हादसे में घायल हुए लोगों से भी मुलाकात करेंगे. गुजरात के मोरबी ब्रिज हादसे में अब तक 134 लोगों की मौत हो चुकी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मोरबी पहुंच गए हैं. बताया जा रहा है कि वे अस्पताल में घायलों से भी मुलाकात करेंगे. इससे पहले पीएम मोदी ने सोमवार को मोरबी में स्थिति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की. इस दौरान पीएम मोदी ने मोरबी में चल रहे रेस्क्यू अभियान के बारे में भी जानकारी ली. उधर, मंगलवार सुबह भारतीय नेवी और एनडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू अभियान फिर से शुरू कर दिया. अभी भी कुछ लोग लापता बताए जा रहे हैं।

बस में लगी भीषण आग,ड्राइवर ने 42 यात्रियों की बचाई जान

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया

पुणे, 01 नवम्बर 2022। पुणे के येरवडा इलाके के शास्त्री चौक में शिवशाही बस में अचानक आग लग गई. बस में आग लगने की सूचना मिलते ही चालक ने कार्रवाई की. जिससे एक बड़ा हादसा टल गया. खबर है कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई है. इस दौरान भीषण आग में बस को काफी नुकसान हुआ है. आग की लपटों में घिरी बस की भीषण घटना को कई लोगों ने अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. शिवशाही बस यवतमाल से चिंचवाड़ के लिए लंबी दूरी तय कर येरवडा के शास्त्री चौक से रवाना हुई. सड़क पर दौड़ते समय बस में अचानक खराबी हो गई. जिस पर चालक को तुरंत शक हुआ. चालक बस को सड़क के बाईं ओर ले गया और उसे रोक दिया. यात्रियों को एहतियात के तौर पर उतारा गया. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

बिश्नोई गैंग से धमकी के बाद फिर बढ़ाई गई सलमान खान की सुरक्षा, वाई प्लस के घेरे में रहेंगे भाईजान

मुम्बई, 01 नवम्बर 2022। लॉरेंस बिश्नोई ने कुछ साल पहले भी जोधपुर में कोर्ट में सुनवाई के दौरान सलमान खान को धमकी दी थी। उसने कहा था कि सलमान खान ने एक काले हिरण का शिकार करके बिश्नोइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई थी। उसका कहना है कि बिश्नोई समाज काले हिरण को पूजता है और सलमान खान ने उसकी हत्या कर बिश्नोइयों को उकसाया है।

हाल ही में सलमान खान के परिवार को धमकी एक पेपर स्लिप के रूप में मिली थी। किसी शख्स ने धमकी भरी पर्ची उसी बेंच पर छोड़ी थी जहां सलमान खान के पिता, लेखक सलीम खान अपनी नियमित सुबह की सैर के बाद बैठे थे। इस धमकी के बाद सलमान को मुंबई पुलिस ने सुरक्षा मुहैया कराई थी। लेकिन अब, उन्हें महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा ड्ड+ सुरक्षा कवर प्रदान किया गया है।

वैसे सलमान खान के अलावा अक्षय कुमार और अनुपम खेर की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अक्षय को एक्स सुरक्षा दी गई है और इसके पीछे का कारण सोशल मीडिया से नफरत और उनकी कनाडा की राष्ट्रीयता को लेकर मिल रही धमकियों को बताया जा रहा है। अनुपम खेर को विवेक अग्निहोत्री की द कश्मीर फाइल्स की रिलीज के बाद से जान से मारने की धमकी मिल रही है।

व्हाट्सएप ने भारत में 26 लाख अकाउंट्स किए बैन

नई दिल्ली, 01 नवम्बर 2022। मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप ने मंगलवार को कहा कि उसने नए आईटी नियमों, 2021 का पालन करते हुए सितंबर महीने में भारत में 26 लाख से अधिक आपत्तिजनक खातों को बैन कर दिया है। जिन्हें अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर और अधिक जिम्मेदारी के साथ संशोधित किया जा रहा है। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, जिसके देशभर में लगभग 50 करोड़ से अधिक यूजर्स हैं, भारत में सितंबर में 666 शिकायत रिपोर्ट प्राप्त हुई और कार्रवाई रिकॉर्ड 23 रहा।

कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ÷आईटी नियम 2021 के अनुसार, हमने सितंबर 2022 के महीने की रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस यूजर-सेफ्टी रिपोर्ट में प्राप्त शिकायतों और व्हाट्सएप द्वारा की गई संबंधित कार्रवाई का विवरण है, साथ ही, इसमें हमारे प्लेटफॉर्म पर दुरुपयोग से निपटने के लिए व्हाट्सएप द्वारा की गई कार्रवाइयां भी शामिल हैं।÷

प्लेटफॉर्म ने अगस्त में भारत में 23 लाख से अधिक अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया था।

अपग्रेड आईटी नियम 2021 के तहत, प्रमुख डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, जिसमें पांच मिलियन से अधिक यूजर्स हैं, उन्हें मासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होती है।

इस बीच, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने %डिजिटल नागरिकों% के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से कुछ संशोधनों को अधिसूचित किया है।

वर्तमान में, सोशल मीडिया मध्यस्थों को केवल यूजर्स को गलत कंटेट की कुछ कैटेगिरीज को अपलोड नहीं करने के बारे में सूचित करने की आवश्यकता होती है।

यूजर्स को ऐसे कंटेट अपलोड करने से रोकने के लिए उचित प्रयास करना मध्यस्थों का एक कानूनी दायित्व हैं।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि भारतीय नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा जरूरी है।

गैस सिलेंडर के दाम हुए कम,115 रुपये कम हुए एलपीजी सिलिन्डर के दाम,केंद्र सरकार ने दी राहत...

नई दिल्ली, 01 नवम्बर 2022। दिवाली के बाद सरकार ने बड़ी राहत दी है। केंद्र सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भारी कटौती की गई है। एलपीजी गैस सिलेंडर 115 रुपये सस्ता हो गया है। ये कटौती कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में की गई है। फिलहाल, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

बता दें कि एलपीजी कमर्शियल सिलिन्डर के दाम में 115.50 रुपये कम किए गए है। आज यानि मंगलवार से 19 किलो वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 115.50 रुपये सस्ता हो गया है। हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलिन्डर के दाम में किसी तरह की फेरबदल नहीं की गयी है।

जानकारी हो कि घरेलू एलपीजी गैस सिलिन्डर के दाम बीते 6 जुलाई, 2022 से स्थिर है और कोई बदलाव नहीं किए गए है। इसी के साथ जहां केंद्र ने कमर्शियल गैस सिलिन्डर के दाम में जनता को जहां एक ओर राहत दी है वहीं, दूसरी ओर पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर भी बदलाव किए गए है। पेट्रोल की कीमतों में होने वाले 40 पैसे की कमी वाले फैसले को वापस ले लिया गया है। इससे अब जहां जनता को पेट्रोल की कीमतों में थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद थी उसपर पानी फिर गया है।

महाठग का बड़ा दावा,दिया 10 करोड़, इनका लिया नाम,मचा हड़कंप

» सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से एलजी वीके सक्सेना को पत्र लिखकर जैन पर गंभीर आरोप लगाए हैं.

नई दिल्ली, 01 नवम्बर 2022। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने दावा किया है कि उसने आप नेता सत्येंद्र जैन 10 करोड़ रुपए प्रोटेक्शन मनी के तौर पर दिए हैं. सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से एलजी वीके सक्सेना को पत्र लिखकर जैन पर गंभीर आरोप लगाए हैं.

सुकेश ने अपने पत्र में लिखा, सत्येंद्र जैन ने मुझे लगातार पैसे देने के लिए मजबूर किया. दबाव के चलते 2-3 महीनों के अंतराल में 10 करोड़ की राशि मुझसे वसूल की गई. सुकेश ने दावा किया कि पूरा पैसा कोलकाता में सत्येंद्र जैन के करीबी चतुर्वेदी द्वारा लिया गया. इस तरह से मैंने सत्येंद्र जैन को 10 करोड़ रुपए का भुगतान किया.

सुकेश ने कहा कि सत्येंद्र जैन पिछले 7 महीने से तिहाड़ जेल में बंद हैं. उन्होंने मुझे डीजी जेल और जेल प्रशासन द्वारा धमकाया. मुझसे हाईकोर्ट में दायर शिकायत को वापस लेने के लिए कहा गया. मुझे परेशान किया गया और धमकी दी गई.

सुकेश चंद्रशेखर ने कहा कि मुझे 2017 में गिरफ्तार किया गया था. मैं तिहाड़ जेल में बंद था. सत्येंद्र जैन उस वक्त जेल मंत्री थे. वे कई बार जेल आए और मुझसे कहा कि मैं जांच एजेंसी के सामने आप को दिए चंदे के बारे में जानकारी न दूं.

एलजी को लिखे पत्र में चंद्रशेखर ने कहा, 2019 में सत्येंद्र जैन फिर जेल में आए. उस वक्त उनके साथ उनके सचिव और दोस्त सुशील थे. सत्येंद्र जैन ने मुझसे हर महीने 2 करोड़ रुपए प्रोटेक्शन मनी के तौर पर मांगे. ताकि मैं जेल में सुरक्षित रह सकूं और मुझे जेल में बेसिक सुविधाएं मिल सकें.

146 करोड़ बैंक फॉड मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, 01 नवम्बर 2022। यूपी कोआपरेटिव बैंक की शाखा से 146 करोड़ के मामले में लोक भवन के सेक्शन ऑफिसर समेत 5 लोगों को अरेस्ट किया गया है। साइबर क्राइम की टीम ने मंगलवार को उनकी गिरफ्तारी की। फ्रॉड में टीम ने लोक भवन में कार्यरत सेक्शन अफसर रामराज और महमूदाबाद स्थित कोआपरेटिव बैंक के असिस्टेंट मैनेजर कर्मवीर समेत पांच लोगों को पकड़ा। इसके तार पूर्व बैंक मैनेजर आरएस दुबे से जुड़े हैं। अन्य आरोपियों में शाहजहांपुर का रहने वाला ध्रुव, रायबरेली रोड का भूपेंद्र और बालागंज का रहने वाला आकाश है। इनसे भी पूछताछ की जा रही है। प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि पांचों को पूर्व बैंक मैनेजर आरएस दुबे ने गिरोह में जोड़ा था।

बैंक फॉड करके दिल्ली भाग गया था सतीश

इंस्पेक्टर मुस्लिम खां ने बताया कि बैंक से रुपए निकालने के बाद सतीश दिल्ली भाग गया था। बैंक से दूसरे खातों में रुपए ट्रांसफर करने में सतीश ने कई लोगों की मदद भी ली। वह लखनऊ से लेकर दिल्ली तक कई लोगों के संपर्क में था। रुपए सतीश के कई करीबियों के खाते में भी पहुंचे थे। आरएस दुबे और उनके लोगों ने करीब चार से पांच माह पहले ही बैंक फ्रॉड की योजना बना ली थी। इसके बाद यह वारदात को अंजाम देने के लिए तानाबाना बुन रहे थे। इसके लिए गिरोह ने कई जगहों पर मीटिंग भी की थी। साजिश के तरीके से आरएस दुबे साइबर एक्सपर्ट दो से तीन युवकों के साथ बैंक में जाकर बैठता था।

डॉक्टरी की पढ़ाई में कहां से जुड़ गया यह घिनौना टेस्ट!

सुप्रीम कोर्ट बोला,टू-फिंगर अब और नहीं

नई दिल्ली, 01 नवम्बर 2022। टू-फिंगर टेस्ट अब और नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश देते हुए इस अनुचित प्रथा को महिलाओं की गरिमा के खिलाफ करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि रेप पीड़िताओं की जांच के लिए 'टू-फिंगर टेस्ट' की प्रथा आज भी समाज में प्रचलित है। कोर्ट ने केंद्र सरकार और राज्यों को निर्देश दिया कि ऐसा आगे से न हो। जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने झारखंड हाई कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें रेप और हत्या के दोषी को बरी कर दिया गया था। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के एक दशक पुराने फैसले ने ही इस टेस्ट को महिला की गरिमा और निजता का उल्लंघन करार दिया था। दरअसल, दरिंदगी का शिकार हुई महिला से टेस्ट के नाम पर एक ऐसी प्रथा चल निकली थी, जो पीड़िता को दोबारा भीतर से झकझोर देती थी। जी हां, यह टेस्ट ही कुछ ऐसा है। इसे टू-फिंगर टेस्ट कहते हैं। यौन उत्पीड़न और बलात्कार की शिकार हुई महिला के बारे में यह जानने के लिए 'टू-फिंगर' प्रक्रिया अपनाई जाती रही है कि वह सेक्स की अभ्यस्त है या नहीं।

रेप पीड़िता की गरिमा पर हमला

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बलात्कार पीड़िताओं से संबंधित 'टू-फिंगर' जांच पर सख्त नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इससे यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाएं फिर से पीड़ित होती हैं और यह उनकी गरिमा पर एक कुठाराघात है। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि यह कहना पितृसत्तात्मक और लैंगिकतावादी है कि किसी महिला के अपने साथ बलात्कार होने की बात पर सिर्फ इसलिए विश्वास नहीं किया जा सकता कि वह सेक्सुअली एक्टिव है।

दिनदहाड़े घर में घुसकर 16 युवक बेखोफ नाबालिग लड़की का किये अपहरण,तमाशा देखती रही भीड़

आगरा, 01 नवम्बर 2022। उत्तरप्रदेश के आगरा में बेखौफ दबंग युवक नाबालिग लड़की के घर में दीवार फांदकर घुस गए। इसके बाद फिल्मी अंदाज में चिल्लाते हुए लड़की को सरेआम अगवा कर अपने साथ ले गए। आरोप है कि युवकों ने लड़की के परिजन के साथ मारपीट भी की और उन्हें धमकी दी।

इस दौरान लड़की के घर के बाहर तमाम लोग इकट्ठे हो गए। मगर, किसी ने भी लड़की को बचाने की कोशिश तक नहीं की. बतादे कि लोग खड़े होकर तमाशा देखते रहे, तो कुछ लोग वीडियो बनाते रहे। यह घटना आगरा के ताजगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की है।

यहां नाबालिग लड़की के घर में एक के बाद 16 युवक दीवार फांदकर छत के रास्ते घर से घुसे। कुछ देर बाद दरवाजा खुलता है और नाबालिग लड़की को युवक जबरन अपने साथ ले गए। इस घटना का वीडियो सामने आया है।

बताया जा रहा है कि इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों में चार भाई हैं, जबकि अन्य उनके दोस्त हैं। लड़की के पिता ने इस मामले की शिकायत पुलिस सेकर दी है।पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने लड़की को बरामद कर परिजन के सुपुर्द कर दिया।

लड़की के परिजनों का कहना है कि उनके घर में रिश्तेदार आए हुए थे। इसी दौरान करीब दर्जनभर से ज्यादा युवक दीवार फांदकर घर में घुस आए। उन्होंने मारपीट की और 17 वर्षीय बेटी को जबरन घर से उठा ले गए। पुलिस ने नाबालिग लड़की के पिता की शिकायत पर 10 नामजद और 6 अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 147, 452, 363, 354, 504, 506 के तहत केस दर्ज किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक ने फोन पर बताया कि लड़की का युवक से प्रेम संबंध है। इसकी जानकारी परिजनों को हो गई थी, परिजन लड़की के साथ मारपीट कर रहे थे।

इसकि जानकारी होने पर युवक अपने भाई और दोस्तों के साथ उसके घर में घुस गया। लड़की को वहां से ले आया और थाने पहुंच गया। थाने में लड़की को परिजनों शौप दिया गया।

सलमान की इस एक्ट्रेस का हुआ एक्सीडेंट, सामने आईं दिल दहलाने वाली तस्वीरें

मुंबई, 01 नवम्बर 2022। बॉलीवुड के सलमान खान और गोविंदा जैसे स्टार्स की एक्ट्रेस रह चुकीं रंभा कनाडा का कार का एक्सीडेंट हो गया है। घटना के वक्त उनकी गाड़ी में उनके बच्चे और नैनी भी मौजूद थीं। एक्ट्रेस की बेटी को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

एक्ट्रेस रंभा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कार एक्सीडेंट की शॉकिंग खबर को फैंस संग साझा किया है। उन्होंने कार की तस्वीरें भी शेयर की हैं. फोटोज में आप देख सकते हैं कि रंभा की कार बुरी तरह डैमेज हो चुकी है। हालांकि, उन्हें ज्यादा चोटें नहीं आई हैं। एक्सीडेंट की दुखद खबर फैंस संग साझा करते हुए रंभा ने अपनी पोस्ट में लिखा- बच्चों को स्कूल से पिक करते हुए हमारी कार की एक दूसरी कार से टक्कर हो गई। मेरे साथ बच्चे और नैनी कार में थे, हम सभी सुरक्षित हैं। हमें हल्की चोटें आई हैं. लेकिन मेरी नन्ही साशा अभी भी हॉस्पिटल में है। प्लीज हमारे लिए दुआ करें। आपकी दुआएं बहुत मायने रखती हैं।

संपादकीय

परदे के पीछे वाले अब सामने आएंगे!

कांग्रेस पार्टी में एक पूरा तंत्र है, जो परदे के पीछे से काम करता है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए निजी सहायक के तौर पर या सोशल मीडिया एक्टिविस्ट के तौर पर काम करता है। नेताओं के एक ग्रुप है, जो कांग्रेस वार रूम में काम करता है। इनमें से कई नेताओं के मुख्यधारा की राजनीति में आने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि राहुल और प्रियंका के साथ काम करने वाले कई नेता कांग्रेस के केंद्रीय संगठन में या अनुषंगी संगठनों में बड़ा पद हासिल कर सकते हैं। ऐसे लोगों में प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ काम करने वाले संदीप सिंह, राहुल गांधी के साथ काम करने वाले कनिष्क सिंह, सचिन राव और कौशल विद्यार्थी के नाम की चर्चा है। राहुल के साथ भारत जोड़ो यात्रा में समन्वय का काम देख रहे अलंकार सवाई के भी सक्रिय राजनीति में आने की चर्चा है।

पिछले दिनों दो राज्यों के चुनाव को देखते हुए मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा को भारत जोड़ो यात्रा से वापस दिल्ली बुलाया गया तो साथ में संदीप सिंह को भी बुलाया गया। वे भी मीडिया का काम देख रहे हैं। उनको स्थायी रूप से मीडिया टीम में जगह मिल सकती है। कांग्रेस के लिए बौद्धिक इनपुट देने का काम कर रहे गुरदीप सप्पल को बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। वे राज्यसभा टेलीविजन के सीईओ रहे हैं और भाजपा की ओर से सोशल मीडिया में होने वाले झूठे सच्चे प्रचार का सबसे तार्किक और तथ्यात्मक तरीके से वे जवाब देते हैं। उनको मल्लिकार्जुन खड़गे की टीम में शामिल किया जा सकता है। सोशल मीडिया में कांग्रेस के लिए सक्रिय कुछ और लोगों को टेलीविजन वक्ताओं या प्रवक्ताओं में शामिल किया जा सकता है।

धीमी गति से चलता न्याय का पहिया

न्यायपालिका के लिए छुट्टियों की संस्कृति को बंद किया जाना चाहिए?

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार
(हरियाणा)

अवकाश की अवधारणा औपनिवेशिक नियमों से उत्पन्न हुई है। उस समय न्यायाधीश इंग्लैंड से आए थे, भारत की तुलना में ठंडी जगह और भारत की गर्मी उनके लिए असहनीय थी। अदालतों और स्कूलों को छोड़कर देश में कोई भी सरकारी संगठन नहीं है जहाँ छुट्टी होती है। भारतीय अदालतों में 3.1 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। भारत में अपर्याप्त न्यायिक शक्ति है (भारत में प्रति मिलियन जनसंख्या पर केवल 13 न्यायाधीश हैं, ब्रिटेन की 100 की तुलना में)। दुनिया में कई देश ऐसे हैं जहां कोर्ट में छुट्टियां नहीं होती हैं। उदाहरण के लिए, फ्रांस और यू.एस. न्यायाधीशों के पास अवकाश नहीं होता है, लेकिन वे न्यायालय के कार्य को प्रभावित किए बिना अवकाश ले सकते हैं। भारत में भी अधीनस्थ आपराधिक न्यायालयों में कोई अवकाश नहीं होता है। लेकिन अधीनस्थ सिविल न्यायालयों, उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में अवकाश रहता है। फिर इन छुट्टियों की आवश्यकता क्यों है?

पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय न्याय वितरण प्रणाली तेजी से लंबित मामलों का बोझ बन गई है। नवीनतम राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड आंकड़ों के अनुसार, भारत में अदालतों में 2.74 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। न्याय का पहिया कितनी धीमी गति से चलता है, उसके समय और संसाधनों की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या को रोकने के समाधान पर चर्चा करते समय, अक्सर अदालती अवकाश का विषय सामने आता है। कम करने, और यहां तक कि छुट्टियों को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए भी आह्वान किया गया है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी जिसमें अदालतों द्वारा मनाई गई छुट्टियों की संख्या को कम करने की मांग की गई थी।

जैसा कि बार-बार कहा जा रहा है, पेंडेंसी एक बहुआयामी मुद्दा है, जिसके समाधान के लिए बड़ी संख्या में जुड़े मुद्दों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। क्या अदालती छुट्टियों को कम करने या समाप्त करने से लंबित आंकड़ों पर असर पड़ सकता है। तो, क्या अदालतों को वास्तव में छुट्टियों की ज़रूरत है? क्या पेंडेंसी दरों को कम करने के लिए अदालती छुट्टियों की संख्या कम कर दी जानी चाहिए? यदि छुट्टियों को समाप्त कर दिया जाए तो क्या पेंडेंसी दरों में भारी कमी आएगी? अधिकांश उच्च न्यायालय वर्ष में औसतन 200 दिन से थोड़ा अधिक कार्य करते हैं। इसका मतलब है कि अदालतें छुट्टियों, सप्ताहांत और राष्ट्रीय छुट्टियों के कारण औसतन लगभग 160 दिनों की छुट्टी का आनंद लेती हैं। सुप्रीम कोर्ट में उच्च न्यायालयों की तुलना में अधिक छुट्टियां हैं। ये संख्या, निश्चित रूप से, अवकाश पीठ की बैठकों को छोड़कर हैं।

ऊपर से साक्ष्य, और जैसा कि कानूनी बिरादरी के विभिन्न सदस्यों द्वारा बताया गया है, उच्च न्यायालयों में रिक्तियां किसी भी खिंचाव से लंबित

आंकड़ों की मदद नहीं कर रही हैं। इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन यह एक और दिन की कहानी है। 1958 का क़ानून बताता है कि अवकाश का अर्थ राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति से अनुसूचित जाति के नियमों द्वारा निर्धारित एक वर्ष के दौरान ऐसी अवधियों से है। अवकाश के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसरण किया जाने वाला वर्तमान नियम सर्वोच्च न्यायालय नियम, 2013 है और भारत के मुख्य न्यायाधीश हर साल छुट्टी के लिए अधिसूचना जारी करते हैं। वर्तमान में, सर्वोच्च न्यायालय में प्रति वर्ष 193 कार्य दिवस होते हैं, जबकि उच्च न्यायालयों में 210 दिन होते हैं।

क्या उच्च न्यायपालिका के लिए छुट्टियों की संस्कृति को बंद कर दिया जाना चाहिए? अवकाश की अवधारणा औपनिवेशिक नियमों से उत्पन्न हुई है। उस समय न्यायाधीश इंग्लैंड से आए थे, भारत की तुलना में ठंडी जगह और भारत की गर्मी उनके लिए असहनीय थी। अदालतों और स्कूलों को छोड़कर देश में कोई भी सरकारी संगठन नहीं है जहाँ छुट्टी होती है। भारतीय अदालतों में 3.1 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। भारत में अपर्याप्त न्यायिक शक्ति है (भारत में प्रति मिलियन जनसंख्या पर केवल 13 न्यायाधीश हैं, ब्रिटेन की 100 की तुलना में)। दुनिया में कई देश ऐसे हैं जहां कोर्ट में छुट्टियां नहीं होती हैं। उदाहरण के लिए, फ्रांस और यू.एस. न्यायाधीशों के पास अवकाश नहीं होता है, लेकिन वे न्यायालय के कार्य को प्रभावित किए बिना अवकाश ले सकते हैं।

भारत में भी अधीनस्थ आपराधिक न्यायालयों में कोई अवकाश नहीं होता है। लेकिन अधीनस्थ सिविल न्यायालयों, उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में अवकाश रहता है। फिर इन छुट्टियों की आवश्यकता क्यों है? न्यायाधीशों पर दैनिक आधार पर अत्यधिक बोझ डाला जाता है और वे बहुत लंबे समय तक काम करते हैं। पर्याप्त अवकाश के अभाव में न्यायाधीशों को बर्नआउट का सामना करना पड़ेगा। कई न्यायाधीश लंबे अंतराल का उपयोग लंबित निर्णयों को लिखने के लिए करते हैं और अनुसंधान पर भी पकड़ बनाते हैं, जो न्यायाधीशों के लिए न्याय की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उन्हें निचली न्यायपालिका की देखरेख और न्यायाधीशों की नियुक्ति जैसे प्रशासनिक कार्य भी करने होते हैं।

या फिर छुट्टियों की संख्या को कम करने के बजाय, इसे इस तरह से तोड़ें कि न्यायाधीश न्यायिक रूप से अब की तुलना में अधिक सक्रिय हो जाए। यदि 15 न्यायाधीश छुट्टी पर चले जाते हैं और 45 अन्य काम कर सकते हैं तो एचसी ऐसा कर सकता है। इससे जजों पर कोई दबाव नहीं होगा और किसी को भी ज्यादा काम नहीं करना पड़ेगा। क्या मुसलमानों को दिवाली की छुट्टियां देने का कोई मतलब है? हमारे क्रिसमस की छुट्टियों के साथ भी ऐसा ही है। यह मान लेना बिल्कुल गलत है कि बॉम्बे हाई कोर्ट के सभी 60 जज मई में 30 दिनों के लिए आराम करना चाहेंगे। यदि आपको अपनी पसंद का अवकाश स्लॉट मिलता है, तो आप गर्मी, सर्दी और दीवाली की छुट्टियों के दौरान अनिवार्य सिट-एट-होम अवकाश से बेहतर इसका आनंद लेते हैं। बॉम्बे एचसी में 60 न्यायाधीश हैं; उनमें से 45 अदालत की छुट्टियों के दौरान काम करने के इच्छुक होंगे यदि उन्हें उनकी छुट्टी लेने के लिए उनकी पसंद के अन्य स्लॉट दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, मैं मानसून में बाहर जाना पसंद करुँगी और गर्मी के समय को शहर में बिताना पसंद करुँगी।

इसके बजाय, सर्दियों के लिए 15 दिन, दिवाली के लिए 15 दिन और 15 सार्वजनिक अवकाश रखें। न्यायाधीश को यह चुनने दें कि शेष 75 दिन कब लेना है। इसका फैसला हाईकोर्ट की प्रशासनिक समिति कर सकती है। एरियर कमेटी और विधि आयोग की 230वीं रिपोर्ट में अवकाश में कम अवधि के लिए अनुशंसा की गई। समय की मांग एक कुशल न्यायपालिका है जो न केवल नागरिकों के हितों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि देश की जरूरतों के अनुरूप उनकी प्रथाओं को संशोधित करके इस प्रतिबद्धता को भी संप्रेषित करती है। काम करने और न्याय करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए। यह आपकी शपथ है, और आपकी शपथ को पूरा करना आपका कर्तव्य है। ग्लैमर, हाँ आपके पास वह है, लेकिन आप उसके लिए जज नहीं बनते। आप अपनी सर्वोत्तम क्षमता के अनुसार न्याय करने के लिए एक न्यायाधीश बन जाते हैं। यदि आपका विवेक स्पष्ट है, तो ये छुट्टियां और अंकित मूल्य आपको परेशान नहीं करेंगे। अगर अदालतों में बकाया के लिए किसी को दोषी ठहराया जाना है, तो अदालतें ही जिम्मेदार हैं।

तुम्हारी रेवड़ियाँ और मेरा रेवड़ा

साढ़े चार लाख लोगों को मुफ्त मकान बांटते वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो भाषण दिया, वह कई बुनियादी सवाल खड़े कर रहा है। उन्होंने कहा कि (राज्य) सरकारें जनता को जो मुफ्त की रेवड़ियाँ बांटती है, उससे देश के करदाताओं को बहुत कष्ट होता है। मोदी ने बताया कि उनके पास लोगों की ढेरों चिट्ठियां आती हैं। उनमें लिखा होता है कि हम अपने खून-पसीने की कमाई करके उसमें से टैक्स भरते हैं और नेता लोग वोटों के लालच में उन्हें मतदाताओं को रेवड़ियों की तरह बांट देते हैं।

रेवड़ियाँ कौन-कौनसी हैं। ये हैं- कंप्यूटर, साइकिलें, गैस–सिलेंडर, जेवर, बिजली, पानी, नाइयों को उस्तरे, धोबियों को प्रेस मशीनें, स्कूली बच्चों को भोजन, प्रेशर कुकर, टेलिविजन सेट, वाशिंग मशीन आदि-आदि! ये सब चीजें मतदाताओं को मुफ्त में देने का वादा इसलिए किया जाता है कि चुनाव के वक्त नेताओं को थोक वोट कबाड़ने होते हैं। यह काम सबसे पहले तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता ने शुरु किया। उनकी देखादेखी लगभग सभी मुख्यमंत्रियों ने, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों, रेवड़ियाँ लुटाने में एक-दूसरे को मात कर दिया।

अब हालत यह है कि लगभग हर प्रांत इन रेवड़ियों के चलते कर्जदार और भिखमंगा बन रहा है। वह केंद्र और बैंकों के कर्जों में डूब रहा है लेकिन वह अपनी हरकत से बाज़ नहीं आ रहा है। उन राज्यों की विधानसभा में बैठे उनके विरोधी परेशान हैं लेकिन वे भी बगलें झांक रहे हैं। उनकी बोलती बंद है। उन्हें भी वोटों के लालच ने गूंगा बना रखा है लेकिन मुझे खुशी है कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह इस रेवड़ी संस्कृति के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं लेकिन वे अपने आपको इससे ऊपर बता रहे हैं।

मोदी ने कल साढ़े चार लाख लोगों को मुफ्त मकान बाँटे। इसी तरह से करोड़ों लोगों को कोरोना-काल के नाम पर अब तक मुफ्त अनाज बांटा जा रहा है। इसे वह लोक-कल्याण का काम कहते हैं। इसे वे रेवड़ियाँ नहीं मानते। क्यों नहीं मानते? ये रेवड़ी ही नहीं हैं, मेरी राय में ये 'रेवड़ा' हैं क्योंकि इन पर करदाताओं के करोड़ों नहीं, अरबों रु. खर्च किए गए हैं। मोदी का कहना है कि इस खर्च का मकसद वह नहीं है, जो राज्यों द्वारा बांटी गई रेवड़ियों का है? यदि नहीं है तो मोदी ज़रा यह बताएं कि इसका नाम 'प्रधानमंत्री आवास योजना' क्यों रखा गया है?

प्रधानमंत्री क्या अपनी जेब से यह पैसा लगा रहे हैं? अन्य मुख्यमंत्रियों की तरह प्रधानमंत्री भी इस बंटरबाट का फायदा अपनी पार्टी के लिए पटा रहे हैं। जहां तक मुफ्त अनाज और मुफ्त मकान देने का सवाल है, क्या यह मतदाताओं को दी जानेवाली सबसे मोटी रिश्वत नहीं है? क्या यह करदाताओं पर कमरतोड़ हमला नहीं है? कोरोना-काल में मुफ्त अनाज की बात तो समझ में आती है लेकिन किसी आदमी को रोटी, कपड़ा और मकान के लिए सरकार या किसी अन्य पर निर्भर रहना पड़े तो उसमें और किसी पशु में क्या अंतर रह जाता है? नेताओं को बस अपने वोटों की चिंता है, चाहे वोट देनेवाले मानव हों या पशु हों। नेताओं को यदि कुछ करना हो तो भारत की शिक्षा और चिकित्सा को मुफ्त करें। ये लोगों की ठगी के दो सबसे बड़े साधन बन गए हैं। आज तक देश में कोई सरकार ऐसी नहीं बनी है और 75 साल में कोई ऐसा नेता भारत में पैदा नहीं हुआ है, जो इन दो बुनियादी सुविधाओं को सर्वसुलभ बना दे। अभी तो रेवड़ियों ने सभी नेताओं और पार्टियों को एक ही थाली के चट्टे-बट्टे बना दिया है।

-वेद प्रताप वैदिक-

छत्तीसगढ़ महतारी

डिकेश दिवाकर
जांजगीर-चांपा
छत्तीसगढ़

हे ! छत्तीसगढ़ महतारी
मैं तोरे पइयां लागवं ।
सुत उठ के बड़े बिहनिया
मैं तोरे जस ल गावव ।।
तोर कोरा म जनम लियेन
खेलेन ,कुदेन अऊ खायेन ।
ये सुग्घर जिंनगी ल दाई
तभे तो हमन पायेन ।।
रंग-रंग के फूल फूले
रहिथे तोर फुलवारी म ।
लुर-लुर के गीत गाथे
तितली भौंरा दुआरी म ।।
महानदी,शिवनाथ,हसदो अऊ
इन्द्रा,अरपा
कल -कल करत बोहावत हे ।
पहिर के पैरी ,पैरी ह दाई
सुग्घर संगीत सुनावत हे ।।
तोर कोरा ल पा के कइसे
अन्नपूर्णा दाई लहलहावत हे ।
पहिरे लुगरा हरियर हरियर
अऊ झूमत नाचत गावत हे ।।
तोर अंगना म रखे हस दाई
खनिज संपदा के भंडार ।
किसिम-किसिम के रुख राई
घलो भरे हवयअपार ।।
जंगल झाड़ी,नरवा नदिया
पहाड़ ऊपर ल गिरत झरना ।
आनी-बानी के जीव जंतु
अऊ पशु-पक्षी हे तोर गहना ।।
तोर भुईयां के माटी ल धर के
माथे म तिलक लगावव ।
मैं तो गरीब किसान हवं दाई
कईसे तोर करज उतारवं ।।
कवि करत हे बिनती अतका
हाथ जोड़ के जन-जन ल ।
जुर मिलके बगराबो जम्मो
तोर जस अऊ मान सम्मान ल ।।

हसरत

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

ख़्वाहिशे जाग उठीं दिल में ख़ुद को पाने की
छुप के बैठी हुयी उस रूह को उठाने की
क्यूं वर्क सी लहराती है दिल धड़क उठताहै
ये कौन सी खुशी है आंसू को बहाने की
कुछ आरज़ू सी दिल में करवट बदल 2ही है
कोशीश न करना ऐ दिल अब उसको सुलाने की
ऐ हसरते दिल जाना रुक जा ज़रा ठहरजा
ये इल्तज़ा है जारी इस दिल को मनाने की
.जागा किये हैं शब भर यूं जिसकी तमन्ना में
तरक़ीब करो कोई अब उसको जगाने की

गीत का आगाज

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

ज़रा दूर से ही सही आवाज़ दे
मन मिला लूँ ऐसा कोई साज़ दे
अजनबी सारे जहां में हैं जहाँ
हो कोई अपना वही हमराज़ दे
क्या छुपाऊँ और किसे क्या कहूँ
दिल में रक्खूँ वो हसीन राज़ दे
दूसरों पे ख़ूब होते हैं फिदा जो
उनको थोड़ा ख़ुद पे भी नाज़ दे
मौसिक़ी का दौर ख़त्म न हो कभी
हर दिन नए गीत का आग़ाज़ दे

गजल किसे पेश करूँ

ओमप्रकाश बिन्जवे ÷ राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

संदल में डूबी ये गजल,किसे पेश करूँ।
दिले बेदार की हलचल,किसे पेश करूँ।
हर हर्फ को तराशा है,बडी नफासत से,
अशआरों का ताजमहल,किसे पेश करुँ।
पत्थर तोड के हम ने बनाये है महल,
पसीना बना है गंगाजल,किसे पेश करूँ।
दिल कहे और दिल सुने,दिल की वो बात,
वो महके महके पल,किसे पेश करूँ।
जजबात के फूलों से गूंथा है गजरा सागर,
धडकन बनी है पायल,किसे पेश करूँ।

बोझ

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर, राजस्थान

इनको देख कर तो अब इंसानियत भी रोती है
आज चिताओं पर देखो सिकती इनकी रोटी है
मकसद विफल न हो,यही इनकी सोच होती है
गिद्धों के हवाले हो चुकी ये इंसानों की बोटी है
बड़े दिल के मानव के पास सोच इतनी छोटी है
कैसे बदलेगी?दिमाग पे चढ़ी परत बड़ी मोटी है
बुझ चुकी इनके अंदर इंसानियत की ज्योति है
लाचारी,मजबूरी पर चलती इनकी रोज़ी रोटी है
क्यूँ धरती माँ,इन भूखे भेड़ियों का बोझ ढोती है?

फ्रांस में सस्ती फीस,अंग्रेजी में पढ़ाई का छात्रों को मौका!

फ्रांस की सरकार ने गजब फैसला किया है। पिछले महीने फ्रांस की यूरोप और विदेशी मामलों की मंत्री सुश्री केथरीन कोलोना ने एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। फ्रांस ने तय किया है कि सन् 2025 तक कम से कम 20,000 भारतीय छात्र वहां पढ़ रहे होंगे। फ्रांस में पढ़ाई का खर्च यूरोप के अन्य देशों से काफी कम है। स्नातक पाठ्यक्रमों का औसत शुल्क रू. 13,500 (170 यूरो) प्रतिवर्ष है। इंजीनियरिंग के छात्रों को लगभग रू. 50,000 (620 यूरो) और मेडिकल कालेजों में पढ़ने वालों को रू. 36,000 (450 यूरो) चुकाने पड़ते हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की औसत फीस लगभग रू. 21,000 (260 यूरो) है। ज्यह भारतीय छात्रों के लिए एक वरदान और सुनहरा मौका है।

पेरिस पर्यटकों के लिए लाजवाब शहर है। सीन नदी के किनारे चहलकदमी करते हुए, पेरिस की प्रसिद्ध मीठी ब्रेड क्रैसॉन् का मज़ा लेना या इस ऐतिहासिक शहर के वर्तमान और अतीत के रहस्यों और रूमानियत से रूबरू होना, सबका मजा है। शुक्रवार की किसी खुशनुमा दोपहर, गुजरे ज़माने की याद दिलाते किसी कैफे में सिमान द बोऊआर या सार्त्र की तरह कॉफी और मेकक्रून का आनंद लेना या 39, रोय डिकेस्टीटो के उस कमरे से गुज़रना, जहां कभी अर्नेस्ट हेमिंग्वे अपनी लघु कहानियां लिखा करते थे, उस सबकों, सोचते हुए घूमना बेमिसाल है। या फिर किसी अलसाये से रविवार को किताबों और उनकी नामवर दुकान शेक्सपियर एंड कंपनी के इतिहास में गोते लगाना, एकदम 'एमिली इन पेरिस' की तरह! बतौर पर्यटक पेरिस जाने वाले लोग यही कुछ करते हुए इंस्टाग्राम पर अपने फोटो अपलोड करते हैं।

और कल्पना करें कि आपको या किसी को कई महीनों या सालों तक अपने दिन और रात पेरिस में बिताने का मौका मिले, विशेषकर एक विद्यार्थी के रूप में तो कहना ही क्या! आखिर इस उम्र में समय और जवानी दोनों आपके साथी होते हैं ङ्क एक ऐसा छात्र जीवन जिसमें लालित्य भी हो, प्रतिष्ठा भी और जो बहुत महंगा भी न हो।

हकीकत है कि इंग्लैंड, अमरीका ब्राजील और कई अन्य देशों के छात्र काफी लंबे समय से पेरिस के विश्वविद्यालयों में पढ़ते आए हैं। लेकिन भारतीय छात्रों के लिए भाषागत समस्यायों के कारण यह कभी व्यावहारिक विकल्प नहीं रहा। परंतु अब हालात बदल गए हैं। फ्रांस चाहता है कि उसके विश्वविद्यालयों में भारत के स्टूडेंट की जिंदादिली, संस्कृति और मेधा की गूँज हो। यही कारण है कि पिछले महीने फ्रांस की यूरोप और विदेशी मामलों की मंत्री सुश्री केथरीन कोलोना ने एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की। इसमें फ्रांस ने तय किया है कि सन् 2025 तक कम से कम 20,000 भारतीय छात्र वहां पढ़ रहे होंगे।

यह भारतीय छात्रों के लिए एक वरदान और सुनहरा मौका है।

सोलह वर्ष पहले विदेश में पढ़ने के नाम पर मेरे सामने केवल इंग्लैड और अमेरिका का विकल्प था। उस समय यही वे दो देश थे जहां पढ़ना अच्छा समझा जाता था। और इसका एक बड़ा कारण था इन देशों में अंग्रेजी का पढ़ाई-लिखाई और बोलचाल की भाषा होना। उस समय भारत से छात्र कम से कम स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए विदेश कम ही जाया करते थे। फिर भी मैंने और मेरे पिता ने प्रचलित मानदंडों और परंपराओं को दरकिनार कर मेरी आगे की पढ़ाई के लिए यूके के स्काटलैंड के सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय को चुना। उस समय विदेश पढ़ने जाना इतना आसान नहीं हुआ करता था। आम विद्यार्थियों को यह पता ही नहीं था कि आवेदन कैसे किया जाए और अपने लिए उपयुक्त विश्वविद्यालय कैसे चुना जाए; व्यक्तिगत कथन में क्या लिखा जाए और अपने उद्देश्यों का वर्णन कैसा हो। आईईएलटीएस की तैयारी, धन की व्यवस्था आदि के संबंध में जानकारी भी सहज सुलभ नहीं थी। पूरी प्रक्रिया कष्टदायी तो थी लेकिन मजेदार और परिपूर्णता का अहसास कराने वाली भी थी क्योंकि यह संभावनाओं और अनुभवों से भरे एक चमकीले भविष्य की राह खोलती थी।

अब हालात काफी बदल गए हैं। जो यूथ विदेश में पढ़ने के इच्छुक होते हैं उन्हें यह भी पता है कि इसके लिए उन्हें क्या करना होगा। बढ़ती प्रतियोगिता, विदेश में शिक्षा हासिल करने की चाहत और साधनों की उपलब्धता के चलते बड़ी संख्या में विद्यार्थी इंग्लैंड और अमरीका जा रहे हैं। यह उन खबरों से भी जाहिर है जिनके मुताबिक इस साल इंग्लैंड, अमरीका, आस्ट्रेलिया और कनाडा के लिए छात्र वीजा मिलने में काफी वक्त लग रहा है।

लेकिन अब फ्रांस द्वारा भारतीय छात्रों के लिए अपने दरवाजे खोल देने से उन्हें पहले से अधिक विकल्प और अवसर उपलब्ध हैं। विशेषकर इसलिए क्योंकि वहां ज्यादातर कोर्स अंग्रेजी में पढ़ाए जाएंगे और इससे भाषा की बाधा ही समाप्त हो जाएगी। जाहिर है कि डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए टोफेल या आईईएलटीएस जैसी अंग्रेजी में प्रवीणता जांचने वाली परीक्षाओं में सफल होना अनिवार्य हो सकता है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अभी लगभग 6,000 भारतीय छात्र फ्रांस के उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे हैं। लेकिन फ्रांस क्यों, जबकि यह देश वहां की भाषा के कारण भारतीयों को कुछ अजनबी सा, कुछ अलग सा लगता है? लेकिन आखिर फ्रांस क्यों नहीं? क्या 21वीं सदी नई संस्कृतियों से जुड़ने और विश्व को एक गाँव बनाने का युग नहीं है?

फ्रांस अपने समुद्ध इतिहास, परंपराओं, आंदोलनों, साहित्य और कला के साथ-साथ नोत्र डेम, लूव्र संग्रहालय, मेक्रून और जीवंतता के लिए जाना जाता है। यहां रहना और पढ़ना अपने आप में शान की बात और एक बड़ा अवसर है। परंतु इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि फ्रांस में पढ़ाई का खर्च यूरोप के अन्य देशों से काफी कम है। फ्रांस में उच्च शिक्षा हासिल करना एक अधिकार है जो अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और पुरी गंभीरता से लागू किया जाता है। यह फ्रांस के विश्वविद्यालयों की ट्यूशन फीस से जाहिर है। स्नातक पाठ्यक्रमों का औसत शुल्क रू. 13,500 (170 यूरो) प्रतिवर्ष है। इंजीनियरिंग के छात्रों को लगभग रू. 50,000 (620 यूरो) और मेडिकल कालेजों में पढ़ने वालों को रू. 36,000 (450 यूरो) चुकाने पड़ते हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की औसत फीस लगभग रू. 21,000 (260 यूरो) है।

मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि इंग्लैंड के किसी भी विश्वविद्यालय में छात्र को इससे लगभग तीन गुनी राशि फीस के रूप में चुकानी होती है। इसके अलावा वहां रहने का खर्च भी कहीं ज्यादा है। मजा-मौज और यात्राओं पर भी कहीं ज्यादा व्यय होता है। अमरीका में तो पढ़ाई और भी महंगी है। वहां दूसरे देशों के छात्रों के लिए शुल्क करीब 50,000 अमरीकी डालर (करीब 40 लाख रूपये) है। फ्रांस में प्रतिष्ठित ग्रांड ईकाल सहित निजी विश्वविद्यालयों में भी व्यवसाय प्रबंधन पाठ्यक्रमों का शुल्क अमरीका की तुलना में बहुत कम है। अमेरिका ही क्यों, कई भारतीय निजी कालेजों की तुलना में भी फ्रांस में पढ़ना सस्ता है।

फ्रांस के विश्वविद्यालयों में अनेक विषयों के कोर्स उपलब्ध हैं। देश के 32 विश्वविद्यालयों और 15 बिजनेस स्कूलों में 1,700 के करीब पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं। और इनका शैक्षणिक स्तर दुनिया में किसी से कम नहीं है। यहां के विश्वविद्यालयों के पूर्व विद्यार्थी अब तक 72 नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। फ्रांस के शैक्षिक जगत की बहुवादी संस्कृति किसी के लिए भी गर्व की बात हो सकती है। वहां से पीएचडी कर रहे विद्यार्थियों में से 42 प्रतिशत विदेशी हैं।

पेरिस, विद्यार्थियों के रहने के लिए दुनिया के सबसे बेहतरीन शहरों में से एक माना जाता है और अगर वहां पढ़ने के बाद भी किसी भारतीय छात्र को वहां की संस्कृति रास न आए तो वह भारत लौट सकता है और उसे यहां नौकरी मिलने की गारंटी होगी। भारतीय विद्यार्थियों को फ्रांस में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु वहां की सरकार ने उन्हें यह आश्वासन देने का निर्णय लिया है कि जब वे भारत लौटेंगे तो उन्हें भारत में कार्यरत ऐसी लगभग 1000 कंपनियों में से किसी एक में नौकरी दी जाएगी जो या तो फ्रेंच हैं या जिनका फ्रांस की किसी कंपनी के साथ जुड़ाव है। और यह सूची खासी लंबी है। इसमें शामिल हैं एयरबस, रेनाल्ट, डिकेथलॉन और लॉरियल। ये कंपनियां फ्रांस में पढ़े विद्यार्थियों को रोजगार देने की इसलिए भी इच्छुक होंगी क्योंकि वे सांस्कृतिक दृष्टि से उनके अनुकूल होंगे।

फ्रांस में शिक्षा हासिल करने को जितना आकर्षक बना दिया गया है उसके चलते कोई आश्चर्य नहीं कि वह अत्यंत महंगी पढ़ाई वाले इंग्लैंड की तुलना में भारतीय विद्यार्थियों को ज्यादा पसंद आने लगे। इस मामले में फ्रांस, अमरीका से भी आगे निकल सकता है जहां पढ़ाई के बाद उपलब्ध अवसर कम होते जा रहे हैं, जहां का वीजा प्राप्त करने के लिए नाकों चने चबाने पड़ते हैं और जहां नस्लीय नफरत तेजी से बढ़ रही है। कुल मिलाकर फ्रांस भारतीय छात्रों को पुकार रहा है और वे चाहे अपने दिल से सोचें या दिमाग से, यह उनके लिए एक ऐसा मौका है जिसे उन्हें गंवाना नहीं चाहिए।

-श्रुति व्यास-

टू फिंगर टेस्ट पर प्रतिबंध सुप्रीम कोर्ट का एक ऐतिहासिक फैसला

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

हाल ही में दिए गए माननीय सुप्रीम कोर्ट के रेप से संबंधित टू फिंगर टेस्ट को प्रतिबंधित करने के फैसले को नारी सशक्तिकरण तथा न्याय को परिभाषित किया जाने वाले एक बड़े फैसले की तरह इतिहास में दर्ज किया जाएगा । सेक्स एक ऐसा विषय है जिस पर हमारी संस्कृति में बात करना आसान नहीं । इस विषय पर बात करने वाले व्यक्ति को सामाजिक ताने-बाने में आधुनिकता के बावजूद बहुत अच्छी नजर से नहीं देखा जाता । खास तौर से यदि इस विषय पर बात करने वाली कोई नारी हो। नारी को भारतीय समाज में लज्जा मर्यादा जैसे शब्दों की जंजीरों में सदियों से जकड़ कर रखा गया है। आज आधुनिक समाज में नारी जागरूक स्वलंबित हो चुकी है । परंतु कुंठित संकीर्ण सोच के लोग आज भी नारी को केवल मात्र संभोग की वस्तु समझते हैं । आए दिन बढ़ते हुए बलात्कार के केस इस कुंठित संकीर्ण समाज का प्रमाण है।

माननीय सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से पहले रेप पीड़िता को टू फिंगर टेस्ट द्वारा उसकी सेक्सुअल हिस्ट्री के आधार पर जज किया जाता था । जोकि पीड़िता के लिए एक तरह का बड़ा शारीरिक और मानसिक टॉर्चर था । माननीय सुप्रीम कोर्ट के जज डीवाई चंद्रचूड़ ने यह कहते हुए कि किसी भी नारी को उसकी सेक्सुअल हिस्ट्री पर जज करना गलत है और यह कतई साबित नहीं करता कि सेक्सुअल एक्टिव नारी के साथ बलात्कार जैसा हादसा घटित नहीं हो सकता । माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस टेस्ट पर प्रतिबंध लगाने का आर्डर दिया गया है तथा इस तरह के टेस्ट करने वाले संस्थान /डॉक्टर /व्यक्ति को दंडित करने का आदेश दिया गया है । जो एक न्यायिक प्रशंसनीय कदम है । रेप एक ऐसा घिनौना अपराध है जिसके लिए कोई भी दंड कम है । इस तरह की घटना क्रम पीड़िता के शरीर के साथ साथ उसकी आत्मा को भी घायल कर देता है । कानून द्वारा इस तरह के अपराधियों को सख्त से सख्त सजा देने का प्रावधान होना चाहिए। उन्हें किसी तरह की छूट नहीं मिलनी चाहिए। कुदरत ने जीवन सृजन के लिए प्रत्येक जीव मे सेक्स की प्रक्रिया को ही आधार बनाया है । नर या मादा दोनों ही की शारीरिक क्षमता एक व्यक्तिगत मसला है। जरूरत है कुंठित संकीर्ण सोच से बाहर निकल एक सभ्य समाज की

साइकिल से गिरकर घायल महिला की मौत

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। भाई के साथ ससुराल जा रही बहन की साइकिल से गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम कदनई कमलेश्वरपुर निवासी गुलेश्वर बाई पति स्व.जुगुल राम उम्र 37 वर्ष अपने भाई काजर राम के साथ 31 अक्टूबर को साइकिल से ससुराल जा रही थी। नवानगर दरिमा मेन रोड में पुलिया खेल ग्राउंड के पास चलती साइकिल से गुलेश्वरी के गिर जाने पर उसके सिर और हाथ में गंभीर चोट आई थी। उसे इलाज हेतु निजी वाहन से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाकर भर्ती कराया गया। जहां सोमवार की देर रात उसकी मौत हो गई।

पेड़ पर चढ़कर सब्जी तोड़ते गिरा व्यक्ति,मौत

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। पेड़ पर चढ़कर सब्जी तोडने् के दौरान नीचे गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के अनुसार पत्थलगांव क्षेत्र के कुमेकेला निवासी जगत राम खूंटे पिता स्व.बिहारी 40 वर्ष वह 31 अक्टूबर की सुबह घर के पास जामुन पेड़ के ऊपर चढ़कर लौकी तोड़ रहा था। सब्जी तोडने् के दौरान वह अचानक अनियंत्रित् होकर जमीन पर गिर गया और गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए पत्थलगांव अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्टॉलों में सजा विकास कार्यों का आकर्षक एवं जीवंत प्रदर्शनी

22वें राज्य स्थापना दिवस पर कलाकेंद्र मैदान अम्बिकापुर में स्कूली बच्चों एवं कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा मन

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। 22वें राज्य स्थापना दिवस पर कलाकेंद्र मैदान अम्बिकापुर में 1 नवंबर 2022 को जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन संसदीय सचिव एवं भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य तथा सीजीएमएससी के अध्यक्ष एवं लुण्ड्रा विधायक डॉ. प्रीतम राम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। राज्योत्सव का शुभारंभ राज्यगीत एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। जिला स्तरीय राज्योत्सव में 28 विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। इसके साथ ही स्कूली बच्चों एवं कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तति दी गई। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के तहत करीब 1 करोड़ 77 लाख रुपए के चेक एवं सामग्री वितरण किया गया। इसके साथ ही 3 शिक्षकों को ज्ञानदीप पुरस्कार, 21 शिक्षकों को विकासखंड स्तरीय शिक्षादूत पुरस्कार, 7 विद्यार्थियों एवं 6 खिलाडियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खाद्य आयोग के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह बाबरा, छतीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्कस्थ्य परंपरा एवं वनौषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वन समिति के उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, महापौर डा॰ अजय तिर्की, पुलिस महानिरीक्षक अजय यादव, जिला पंचायत सदस्य अर्पिता सिंहदेव, प्रभारी कलेक्टर विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, नगर निगम आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाई, वनमंडलाधिकारी पंकज कमल, पार्षद द्वितेंद मिश्रा, अपर कलेक्टर एएल ध्रुव एसडीएम प्रदीप साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी -कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

अतिथियों द्वारा स्टॉलों का अवलोकन

सर्व प्रथम मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों द्वारा विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। इसके साथ ही विभिन्न हितग्राहियों से भी मुलाकात किया गया। विकास प्रदर्शनी में पुलिस विभाग, जिला पंचायत, राजस्व विभाग, श्रम विभाग, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, उद्यानिकी विभाग, रेशम विभाग, पशु चिकित्सा विभाग मतस्य विभाग, क्रेड़ा विभाग, जल संसाधन विभाग, नगर पालिक निगम, कंटोल रूम , स्वास्थ्य परिक्षण एवं टीकाकरण, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, वन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, उद्योग विभाग, अग्रणी बैंक, शिक्षा विभाग, कौशल विकास प्राधिकरण, केन्द्रीय जेल, जनसंपर्क विभाग के द्वारा लगाई गई है।

इन्हे मिला पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण योजना अंतर्गत वंदना, सविता व भूनेश्वर को ज्ञानदीप पुरस्कार तथा किरण, सुनीता, कृपाशंकर, श्यामाप्रसाद, राजूराम, नीलम, जीवयानी, प्रेमदान, मुरली मनोहर, आरती, रामजतन को शिक्षादूत पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया।

मनमोहक प्रस्तुतियां

सांस्कृतिक कार्यक्रम अपराह्न 5 बजे से प्रियांशु मिश्रा एवं शताक्षी वर्मा सहित 11 स्कूलों के बच्चों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारम्परिक नृत्य समूह द्वारा गणेश वंदना व नृत्य की प्रस्तुति (जबलपुर), स्तुति जायसवाल द्वारा गायन प्रस्तुति, राधाकृष्ण नृत्य समूह द्वारा प्रस्तुति (जबलपुर), बवीता विश्वास एवं समूह द्वारा सरगुजिहा लोक गीत संगीत की प्रस्तुति, डांस ग्रुप द्वारा पारम्परिक व बॉलीवुड मिक्स प्रस्तुति (जबलपुर), खैरागढ़ विश्वविद्यालय द्वारा भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति लिटिल मास्टर प्रियांशु मिश्रा द्वारा गायन प्रस्तुति, शिव झांकी नृत्य प्रस्तुति (जबलपुर), स्वप्निल जायसवाल व बैंड ग्रुप की प्रस्तुति, खैरागढ विश्वविद्यालय द्वारा कत्थक नृत्य प्रस्तुति, लक्ष्मण कौशिक व ग्रुप द्वारा कव्वाली, सुफी, गजल एवं भजन की प्रस्तुति (रायपुर), पारम्परिक नृत्य समूह द्वारा ट्रेडिशनल व बॉलीवुड नृत्य प्रस्तुति एवं छत्तीसगढ़ी लोक गीत संगीत की रंगारंग प्रस्तुति दी गई।

जिले में धूमधाम से मनाया गया गोपाष्टमी पर्व

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। अग्रसेन सेवा सदन अंबिकापुर में धूमधाम से गोपाष्टमी पर्व मनाया गया की पूजा की गई। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी गोपाष्टमी का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सुबह से भक्त पूजा अर्चना की। इसके बाद भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया। खीर पूड़ी सब्जी प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी पर मंगलवार को शहर में गोपाष्टमी मनाई गई। भक्तों द्वारा गायों की पूजा-अर्चना कर उन्हें रोटी खिलाई गई। इसके अलावा लोगों ने घारों में भी गोपाष्टमी पर गायों की पूजा-अर्चना की और रोटी खिलाई। यह सिलसिला पूरे दिन चलता रहा।

नगर के विभिन्न वार्डो में लाखों रुपए के निर्माण कार्यों का नगर अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

- संवाददाता-

लखनपुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। लखनपुर नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में निर्माण होने वाले सीसी सड़क आर सीसी नाली व पुलिया निर्माण कार्य का नगर अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू के द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना का भूमि पूजन किया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक लखनपुर नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 4 में गौरव पथ से संजय गुप्ता के घर तक सीसी सड़क, वार्ड क्रमांक 12 में पोस्ट ऑफिस से दशहरा तालाब तक नाली निर्माण, वार्ड क्रमांक 3 में सुरेंद्र घर से कृष्णा साहू घर तक नाली निर्माण, वार्ड क्रमांक 2 में रामसागर घर से उदयनाथ घर तक आरसीसी नाली निर्माण, वार्ड क्रमांक 2 में सिरिस्ता घर से चूलहट नाला तक आरसीसी नाली निर्माण , वार्ड क्रमांक 01 में चुलहट नाला पर पुलिया निर्माण वार्ड क्रमांक 2 में गणेश जलतारे से अनुरूध घर तक आरसीसी नाली निर्माण वार्ड क्रमांक 2 में नारायण पांडे के घर से चूलहट नाला तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का वार्ड पार्षद वार्ड वासी तथा कृष्ण मंदिर के पुजारी की उपस्थिति में नगर अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू के द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना कर निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। इस दौरान इंद्र जीत प्रताप सिंहदेव (नरसिंह बाबा)नगर पंचायत उपाध्यक्ष रामनारायण दुबे, नगर पंचायत नेता प्रतिपक्ष व पार्षद रमेश जायसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, पार्षद अमित बारी, पार्षद श्रीमती मालती कश्यप, पार्षद पति वीनेश राम, इंजीनियर अशोक सिंह, चंद्रशेखर चौधरी, फुलकी साहू, विनोद कश्यप , नीरज जायसवाल, ठेकेदार महेश नायर ठेकेदार मुरालीलाल, सहित स्थानीय वार्ड वासी मौजद रहे

बाढ़ आपदा प्रबंधन हेतु घुनघुट्टा डेम में होगा मॉक एक्सरसाइज

एसडीआरएफ,होमगार्ड सहित कई विभाग होंगे शामिल

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। बाढ़ से निपटने हेतु जिला स्तरीय बाढ़ आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण के लिए 2 नवंबर को टेबल टॉप एक्सरसाइज व 4 नवंबर को घुनघुट्टा डेम में मॉक एक्सरसाइज किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में एसडीआरएफ, होम गार्ड, राजस्व, स्वास्थ्य, जल संसाधन, पुलिस आदि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल होंगे। सफल प्रशिक्षण आयोजन हेतु प्रभारी कलेक्टर श्री विश्वदीप ने सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में सम्बंधित विभाग के अधिकारियां की बैठक लेकर जरूरी निर्देश दिए।

प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि बाढ़ आपदा से बचाव हेतु जरूरी जानकारी लोगों को देना अवश्यक है। आपदा प्रशिक्षण के बारे में प्रशिक्षण स्थल के आस-पास के गांव को भी सूचित करें। उन्होंने संभागीय सेनानी को प्रशिक्षण के सम्बंध में सभी आवश्यक तैयारी करने कहा।

परिस्थितिजन्य तैयारी अभ्यास-पहली परिस्थिति में प्रोफाइलेक्टिक इवैक्युएशन का अभ्यास होगा जिसमें बाढ़ ग्रस्त गांव मेले की भगदड़, भूकंप की सूचना जैसे ट्रिगर मिलने पर न्यूनतम 100 लोगों को उस स्थान से दूर ले जाने की अभ्यास की जाएगी। दूसरा अभ्यास सर्च एंड रेस्क्यू का होगा जिसमे बाढ़ जैसी स्थिति में लोगों को निकालने का प्रयास किया जाएगा। तीसरी साइट स्टेजिंग एरिया में आपदा की स्थिति में बाहर से मदद के लिए आये रिस्पॉडर को एकत्र करने, वाहनों की पार्किंग, लोगों की भीड़, सैनिटेशन, हाइजीन, पेयजल, वे इन और वे आउट आदि की व्यवस्था बताई जाएगी। चौथी साइट में रिलीफ कैम्प में कुछ लोगों को ठहराने की अभ्यास होगी। पांचवी साईट में आपदा की कल्पना के साथ इसमें फंसे लोगों को निकाला जाएगा।

संभागीय सेनानी श्री राजेश पांडेय ने बताया कि 2 नवम्बर को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण के बारे में दिशा निर्देश दिया जाएगा।

बैठक में एसडीएम श्री प्रदीप साहू सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

संसदीय सचिव चिन्तामणी महाराज ने किया राज्योत्सव 2022 का शुभारंभ,जिलेवासियों को दी बधाई

- संवाददाता-

बलरामपुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ राज्य के 22वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि संसदीय सचिव श्री चिन्तामणी महाराज ने सर्वप्रथम विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये शासकीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया, तत्पश्चात उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सरस्वती माता व छत्तीगसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत् शुरुआत की, तथा राज्यकीय गीत का गायन किया गया। राज्योत्सव के अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओं व स्थानीय संस्कृति से जुड़े जनजाति कला तथा स्थानीय कलाकार चन्द्रिका झनक, मेलोडी स्टार नितिन दुबे ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस दौरान संसदीय सचिव श्री महाराज ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत हितग्राहियों को चेक, सामग्री व स्कूली छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र का वितरण किया।

छत्तीसगढ़ शासन के संसदीय सचिव श्री चिन्तामणी महाराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलेवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी, उन्होंने कहा कि आज से ठीक 22 वर्ष पूर्व हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश का गठन हुआ था, तब से छत्तीसगढ़ नये बुलंदियों को छू रहा है। हमारा छत्तीसगढ़ अब 22 वर्ष का ऊर्जावान युवा हो चुका है, तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में तेजी से दौड़ रहा है। श्री भूपेश सराकार की नीतियां आमजनों के लिए लाभप्रद सिद्ध हो रही है, छत्तीसगढ़ देश का पहला ऐसा राज्य है जहां गोबर 2 रूपये प्रतिकिलो, व गौमूत्र 4 रूपये प्रतिलीटर खरीदा जाता है। श्री महाराज ने कहा कि हमारी सरकार की मंशा है कि गांव के गरीब बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ सके, इसके लिए प्रदेश में 247 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित कर गरीब बच्चों और उनके अभिभावकों के सपनों को सकार किया है। उन्होंने कहा कि जिले के 42 हजार 999 किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत लाभान्वित हो रहे हैं, इस योजना के तहत् समस्त फसलों पर 9 हजार रूपये प्रति एकड़ धान के बदले अन्य फसल लेने पर 10 हजार रूपये प्रति एकड़ किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार के मंशानुरूप आज राज्योत्सव के साथ ही समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। संसदीय सचिव श्री महाराज ने कहा कि प्रदेश में पारंपरिक त्यौहारों, पारंपरिक खेलों और संस्कृति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, तथा हमारी सरकार ग्रामीण परिवेश के पारंपरिक खेल लुप्त न हो इसके लिए छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक के माध्यम से पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के मस्तक में विराजित वर्ष 2012 में गठित बलरामपुर-रामानुजगंज जिला छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अपने 10 वर्षों को पूरा करने जा रहा है, तथा इन 10 वर्षों के अल्प अवधि में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले ने शनैः-शनैः विकास की परिकल्पना को प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से शासन के मंशानुरूप लोगों को लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी योजना के तहत् अब तक 327 गौठानों का निर्माण कर पशुपालकों से गोबर क्रय किया जा रहा है। कलेक्टर श्री दयाराम के. ने कहा कि जिले के सभी नगरीय निकायों में श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर की स्थापना की गई है, तथा मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के माध्यम से 74 हाट-बाजारों को चिन्हित कर मेडिकल वाहनों के माध्यम से लोगों का उपचार किया जा रहा है, इसके साथ ही मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल वैन के माध्यम से नगरीय क्षेत्र के नागरिकों को भी समय-समय पर घर के नजदीक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया जा रहा है।

जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में धान खरीदी का हुआ शुभारंभ

किसानों को हार पहनाकर किया गया अभिनंदन। दूसरे दिन के लिए 2 किसानों ने कटवाया टोकन।

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। शासन के निर्देश पर 1 नंबर से धान खरीदी शुरू कर दी गई है। सरगुजा में भी धान खरीदी को लेकर जिला प्रशासन द्वारा पूरी तैयारी की गई है। जिले के सभी 46 उपार्जन केन्द्रों पर धान खरीदी की शुभारंभ तो कर दिया गया पर पहले दिन खरीदी के नाम पर शून्य रहा। जिले के एक भी किसानों ने धान नहीं बेचा। जबकि इससे पहले धान खरीदी शुरू होने का काफी इंतजार रहता था। पहले दिन काफी उत्साह के साथ किसान धान बेचने केन्द्रों पर पहुंचते थे। पर इस वर्ष मानसून विलंब से सकिय होने एवं लंबी अवधि तक बने रहने के कारण धान पकने की अवधि में भी प्रभावित हुई है। वर्तमान में जिले में शीघ्र पकने वाली धान की फसल की कटाई प्रारंभ हो गई है। फसलों में नमी अधिक होने के कारण किसान धान की मिंसाई नहीं कर पा रहे हैं। जिसके कारण पर्याप्त मात्रा में टोकन जारी नहीं हो पा रहा है।

गौरतलब है कि जिले में इस वर्ष 50 हजार 140 किसानों से लगभग 2 लाख 20 हजार मीट्रिक टन धान की खरीदी करने का अनुमान है। धान खरीदी को लेकर जिले में 46 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। धान खरीदी के पहले दिन मंगलवार को सभी उपार्जन केन्द्रों पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अन्नदाता किसानों को फूलमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। धान खरीदी के दूसरे दिन 2 नवंबर को धान बेचने के लिए उपार्जन केन्द्र परसा में कृषक अरूण जायसवाल ने टोकन कटाकर धान बेचने का गणेश किया करेंगे। वहीं सीतापुर जनपद के प्रतापगढ़ उपार्जन केन्द्र में भी एक किसान ने टोकन कटवाया है। धान खरीदी के पहले दिन जिले के किसी भी किसान द्वारा श्रीगणेश नहीं कया गया। इसका कारण उप संचालक कृषि एमआर भगत ने बताया है कि जिले में मानसून विलंब से सक्रिय होने एवं लंबी अवधि तक बने रहने के कारण धान पकने की अवधि में भी प्रभावित हुई है। वर्तमान में जिले में शीघ्र पकने वाली धान की फसल की कटाई प्रारंभ हो गई है। फसलों में नमी अधिक होने के कारण किसान धान की मिंजाई नहीं कर पा रहे हैं जिसके कारण पर्याप्त मात्रा में टोकन जारी नहीं हो पा रहा है।

खाद्य अधिकारी ने बताया है कि धान खरीदी की निर्धारित अवधि 1 नवंबर 2022 से 31 जनवरी 2023 के दौरान किसान अपना धान समिति में लाकर समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सकते हैं। किसानों की सुविधा हेतु मोबाइल एप्प टोकन तुंहर हाथ के माध्यम से किसान द्वारा स्वयं टोकन जारी करने का प्रावधान दिया गया है।

दूसरी तिमाही में टाटा स्टील के समेकित लाभ में 90 प्रतिशत की आई गिरावट

नई दिल्ली, 01 नवम्बर 2022। इस्पात बाजार की दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने 2022-23 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर, 2022) में समेकित रूप से 59,878 की आय के साथ 1,297 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कंपनी के कल (सोमवार) को जारी तिमाही नतीजों के अनुसार वैश्विक बाजार की चुनौतियों के बीच बढ़ते खर्च के कारण दूसरी तिमाही के उसके समेकित शुद्ध लाभ में एक साल पहले की तुलना में 90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 12,547.70 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बाजार को दी गयी सूचना में कहा है कि जुलाई-सितंबर 2022 के दौरान इसकी कुल आय भी हल्की घट कर 60,206.78 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 60,657.98 करोड़ रुपये थी। इस दौरान उसका कुल खर्च पहले के 47,239.63 करोड़ रुपये से बढ़कर 57,684.09 करोड़ रुपये हो गया।

कंपनी की विज्ञप्ति में बताया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत में उसका कारोबार 34,114 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी अवधि के 34,324 करोड़ रुपये से थोड़ा कम है। इस दौरान भारत के कारोबार में उसका शुद्ध लाभ एक साल पहले के 8,843 करोड़ रुपये की जगह 1,993 करोड़ रुपये रहा। दूसरी तिमाही के अंत में कंपनी पर 71,753 करोड़ रुपये का शुद्ध कर्ज था। यह कर्ज उसकी परिचालन आय के 1.37 गुना रहा। कंपनी का कर्ज और शेयर पूंजी का अनुपात 0.63 है। टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों पर टिप्पणी करते हुए एक बयान में कहा, ÷प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में नरमी की चिंता, इस समय बनी लगातार भू-राजनीतिक स्थिति के साथ साथ कुछ मौसमी कारकों से परिचालन वातावरण अस्थिर बना रहा। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, टाटा स्टील ने भारत में अब तक की सबसे अच्छी घरेलू बिक्री दर्ज की है।÷ श्री नरेंद्रन ने कहा कि कलिंगनगर में कंपनी का 60 लाख टन वार्षिक क्षमता का पेलेट कारखाना जल्द ही चालू किया जाएगा और इससे कंपनी की लागत में महत्वपूर्ण कमी आने का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा है, ÷हम 22 लाख टन क्षमता कि अत्याधुनिक कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्प्लेक्स और उसके बाद कलिंगनगर में 50 लाख क्षमता विस्तार की चरणबद्ध कमीशनिंग शुरू करेंगे।÷ उन्होंने बताया कि कंपनी ने पंजाब में अपने नए 7.5 लाख टन क्षमता इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) पर काम शुरू कर दिया है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की अक्टूबर में यात्री वाहनों की बिक्री में 60 प्रतिशत की बढ़त,कार और वैन की बिक्री घटी

नई दिल्ली, 01 नवम्बर 2022। विजय नाकरा ने कहा, ''मजबूत त्योहारी मांग से पिछले महीने हमारी बिक्री में वृद्धि जारी रही।'' एमएंडएम ने कहा कि आलोच्य अवधि के दौरान वाणिज्यिक वाहन खंड में उसने 20,980 इकाइयों की बिक्री की

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) लिमिटेड की घरेलू बाजार में यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री अक्टूबर, 2022 में 60 प्रतिशत बढ़कर 32,298 इकाई पर पहुंच गयी। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले साल अक्टूबर में 20,130 इकाइयां बेची थीं। एमएंडएम की पिछले महीने यूटिलिटी (उपयोगिता) वाहनों की बिक्री 61 प्रतिशत बढ़कर 32,226 इकाई हो गई। अक्टूबर, 2021 में यह 20,034 इकाई रही थी।

हालांकि, इस दौरान उसकी कार और वैन की बिक्री 25 प्रतिशत घटकर 72 इकाई रह गई। अक्टूबर, 2021 में यह 96 इकाई रही थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अध्यक्ष (वाहन खंड) विजय नाकरा ने कहा, ''मजबूत त्योहारी मांग से पिछले महीने हमारी बिक्री में वृद्धि जारी रही।'' एमएंडएम ने कहा कि आलोच्य अवधि के दौरान वाणिज्यिक वाहन खंड में उसने 20,980 इकाइयों की बिक्री की। इसकी कुल ट्रैक्टर बिक्री पिछले महीने 11 प्रतिशत बढ़कर 51,994 इकाई हो गई।

इंस्टाग्राम ने दूर की अकाउंट सस्पेंड की दिक्कत

नई दिल्ली, 01 नवम्बर 2022। पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %इंस्टाग्राम% में आई परेशानी को कंपनी ने दूर कर दिया है। कल (सोमवार) को इंस्टाग्राम में आउटेज हो गया था, जिसके दौरान प्लेटफॉर्म के यूजर्स लॉक हो गए थे और %अकाउंट सस्पेंड% किए जाने की बात कही जा रही थी। खास बात है कि हाल ही में इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप भी डाउन हो गया था, जहां यूजर्स न ही मैसेज भेज पा रहे थे और न ही हासिल कर पा रहे थे।

कंपनी ने ट्वीट किया, %हमने इस बग को दूर कर दिया है। यह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में यूजर्स को अपने अकाउंट तक पहुंचने में मुश्किल पैदा कर रहा था और फॉलोअर्स की संख्या में अस्थायी रूप से बदलाव हुआ।% इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने भी ट्वीट के जरिए माफी मांगी है। कई इंस्टाग्राम यूजर्स ने ट्वीट किया था कि एप उनके सस्पेंड किए जा चुके अकाउंट का दोबारा इस्तेमाल करने के लिए ई-मेल आई फोन नंबर मांग रही है। खास बात है कि पूरी दुनिया के यूजर्स इस आउटेज से प्रभावित हुए थे। वहीं, भारत में मेट्रो शहरों में रहने वाले यूजर्स को इस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ा था।

कंपनी ने पुष्टि की थी, %हमें जानकारी है कि आपको इंस्टाग्राम अकाउंट का इस्तेमाल करने में परेशानी आ रही है। हम इसकी जांच कर रहे हैं और असुविधा के लिए खेद है।

भारत जी 20 अध्यक्ष के रूप में गरीब देशों को अल्पकालिक वित्त सुनिश्चित करेगा

नई दिल्ली , 01 नवम्बर 2022। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने मंगलवार को कहा कि

भारत जी20 विकासशील देशों के लिए एक मंच है और देश समूह के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान बदलाव लाने की कोशिश करेगा। आईसीआरआईईआर के 14वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय जी20 सम्मेलन के बारे में बोलते हुए, नागेश्वरन ने कहा कि कम आय वाले देशों को अल्पकालिक वित्तीय सहायता सुनिश्चित करना भारत के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक होगा। नागेश्वरन ने कहा कि ऐसे देशों को जलवायु वित्तपोषण प्रदान करना भारत के लिए प्राथमिकता का एक अन्य क्षेत्र होगा।

भारत 1 दिसंबर, 2022 से 20 नवंबर, 2023 तक जी20 की अध्यक्षता करने के लिए तैयार है। इंडोनेशिया वर्तमान में इसका अध्यक्ष है। उन्होंने कहा कि भारत जिन कुछ अन्य मुद्दों से निपटेगा उनमें आभासी संपत्तियों का नियमन, सीमा पार प्रेषण और पूंजी प्रवाह शामिल हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर में रेपो 0.50 प्रतिशत बढा सकता हैः एसबीआई

दिल्ली, 01 नवम्बर 2022। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिसंबर के मध्य में अपनी नीतिगत ब्याज दर रेपा में आर 0.50 प्रतिशत बढ़ाएगा, यह अनुमान भारतीय स्टेट बैंक के अनुसंधान प्रभाग एसबीआई रिसर्च की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में लगाया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने सितंबर में रेपो 0.50 प्रतिशत ऊंची कर 5.9 प्रतिशत कर दिया था ताकि बैंकों का कर्ज महंगा हो और मुद्रास्फीति की प्रत्याशा पर लगाम और कसी जा सके। बैंक इस साल रेपो में 1.90 प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है। एसबीआई रिसर्च की ताजा मासिक रिपोर्ट ईकोरैप में कहा गया है, ÷ आरबीआई की 3 नवंबर 2022 की बैठक नियमित बैठक नहीं है और यह केवल एक नियामकीय दायित्व के तहत बुलाई गयी है।भले ही यह बैठक 2 तारीख की अमेरिकी फेड रिजर्व की बैठक के एक दिन बाद निर्धारित की गयी है पर हम इस बैठक में किसी अन्य एजेंडे की घोषणा की उम्मीद नहीं करते हैं।÷

इस रिपोर्ट में अमेरिका में तीसरी तिमाही में निजी क्षेत्र की वेतन वृद्धि में काफी नरमी का उल्लेख किया गया है। दूसरी तिमाही के 1.6 प्रतिशत कीतुलना में तीसरी तिमाही में वेतन वृद्धि 1.2 प्रतिशत बढ़ी। यह दर्शात

प्रेरित मजदूरी वृद्धि का दौर हल्का हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में उपभोक्ता खर्च की वृद्धि दूसरी तिमाही के 2.0 प्रतिशत की जगत तीसरी तिमाही में 1.4 प्रतिशत रही। अमेरिकी आर्थिक गतिविधियों में दो-तिहाई से अधिक योगदान उपभोक्ता खर्च कहा है। एसबीआई इकोरैप रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मौद्रिक नीति समिति की बैठक के हाल के विवरण से लगता है कि कुछ सदस्य नीतिगत दर वृद्धि के चक्र को जल्द खत्म होना देखना चाहते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल अक्टूबर में देश के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश खरीफ फसलों को काफी प्रभावित किया है जिसका खाद्य मुद्रास्फीति पर दबाव बन सकता है। सितंबर की खाद्य मुद्रास्फीति 8.4 प्रतिशत है। खाद्य मुद्रास्फीति ऊंची होने पर दिसंबर में खुदरा मुद्रास्फीति को 7.5 प्रतिशत की तरफ बढ़ा सकती है।

यूरिक एसिड रहेगा कंट्रोल,इन फलों-सब्जियों के सेवन को पाया गया है बहुत लाभकारी

यूरिक एसिड का बढ़ना जोड़ों में दर्द सहित कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकता है। यूरिक एसिड रक्त में पाया जाने वाला एक अपशिष्ट उत्पाद है। प्यूरिन नामक रसायनों के ब्रेक डाउन के दौरान शरीर में इसका निर्माण होता है। वैसे तो अधिकांश यूरिक एसिड रक्त में घुल जाता है और किडनी से होकर मूत्र के रूप में शरीर से बाहर आ जाता है,पर कुछ स्थितियों में इसके अवशेष बचे रह जाते हैं जिसके कारण कई प्रकार की समस्याओं का खतरा हो सकता है। यही कारण है कि जिन लोगों में यूरिक एसिड बढ़ने की समस्या होती है उन्हें प्यूरीन से भरपूर खाद्य और पेय पदार्थ से परहेज करने की सलाह दी जाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, आहार को ठीक रखकर यूरिक एसिड को कंट्रोल किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों में सामान्य से अधिक यूरिक एसिड की समस्या होती है उन्हें आहार पर विशेष ध्यान देते रहने की सलाह दी जाती है।

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि फल, साबुत अनाज और कुछ पेय पदार्थ इस समस्या के जोखिम को कम में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए किन चीजों के सेवन की सलाह दी जाती है?

फाइबर वाली चीजों का करें सेवन

आहार में फाइबर को शामिल करना पाचन की समस्याओं को ठीक करने के साथ-साथ यूरिक एसिड में भी लाभकारी माना जाता है। यूरिक एसिड के स्तर को कम करने के लिए ओट्स, साबुत अनाज और सब्जियां जैसे ब्रोकोली, कद्दू आदि को आहार में शामिल करना चाहिए। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि आलू और खीरा भी इसमें फायदेमंद हो सकते हैं। आहार विशेषज्ञ सभी लोगों को भोजन में फाइबर की मात्रा बढ़ाने की सलाह देते हैं।

टमाटर और केला हो सकता है फायदेमंद

टमाटर को स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने यूरिक एसिड की समस्या वाले लोगों के लिए फायदेमंद पाया है। यह रक्त में यूरिक एसिड के स्तर को कम करता है। इसके अलावा केला खाना भी यूरिक एसिड से परेशान लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। प्रतिदिन एक केला खाने रक्त में यूरिक एसिड कम रहता है, इससे गाउट के खतरे को भी कम किया जा सकता है। केले में प्यूरीन की मात्रा स्वाभाविक रूप से बहुत कम होती है।

खट्टे फलों को पाया गया है लाभकारी

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, खट्टे फल भी यूरिक एसिड को कम करने में मददगार हो सकते हैं। खट्टे फलों को विटामिन-सी से भरपूर माना जाता है जो यूरिक एसिड के स्तर को

कम करने में लाभकारी हैं। इसके लिए नींबू, संतरे और अनानास जैसे फलों और हरी-पत्तेदार सब्जियों का सेवन करना बेहतर विकल्प माना जाता है।

डॉक्टर्स कहते हैं, यूरिक एसिड की समस्या के जोखिमों को कम करने के लिए आहार पर ध्यान देते रहने के साथ नियमित रूप से इसकी दवाइयों का भी सेवन करें। आहार में बदलाव के लिए डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

तैलीय त्वचा को प्राकृतिक रूप से मॉइस्चराइज करने के लिए अपनाएं ये तरीके

तैलीय त्वचा होने की सबसे बड़ी चुनौती इसकी नमी संतुलन बनाए रखना है। कई लोग तो मॉइस्चराइजर का उपयोग करना ही छोड़ देते हैं क्योंकि इससे उन्हें त्वचा की तैलीयता बढ़ने का डर रहता है। ऐसा करना गलत है क्योंकि त्वचा के प्रकार कुछ भी हो, मॉइस्चराइजिंग स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे तरीके बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप अपनी तैलीय त्वचा को प्राकृतिक रूप से मॉइस्चराइज कर सकते हैं।

दूध का करें इस्तेमाल

दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जिसमें मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं। यह स्किन बैरियर फंक्शन को बनाए रखने में भी मदद करता है। लाभ के लिए एक चौथाई कप ताजे दूध में नींबू के रस की कुछ बूंदें डालकर अच्छी तरह मिलाएं और इसे अपने चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद अपने चेहरे को पानी से धो लें। ऐसा आप हफ्ते में एक बार कर सकते हैं।

गुलाब की पंखुड़ियां भी हैं प्रभावी

गुलाब की पंखुड़ियों का अर्क त्वचा पर एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव प्रदर्शित करता है और त्वचा के अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करके इसे मॉइस्चराइज कर सकता है। लाभ के लिए एक सॉस पैन में थोड़ा गुलाब जल और एक कप गुलाब की पंखुड़ियां डालकर इसे उबालें। अब इस घोल को ठंडा करके छान लें, फिर इसमें एलोवेरा जेल मिलाकर इसे फ्रिज में रख दें। इस मिश्रण को रात में सोने से पहले अपने चेहरे पर लगाएं।

एलोवेरा आएगा काम

एलोवेरा न केवल आपकी तैलीय त्वचा को मॉइस्चराइज कर सकता है बल्कि इसे सूरज की हानिकारक किरणों से बचाए भी रख सकता है। लाभ के लिए एक कटोरी में एक चम्मच कारनौबा वैक्स, दो-तीन बड़ी चम्मच जोजोबा तेल और एक बड़ी चम्मच पानी मिलाएं। अब इसे थोड़ा गर्म करके अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। ऐसा हर रात सोने से पहले करें।

नींबू और शहद का मिश्रण लगाएं

नींबू त्वचा के अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने का कार्य करता है, जबकि शहद एक बेहतरीन प्राकृतिक मॉइस्चराइजर का काम करता है। लाभ के लिए एक नींबू का रस निचोड़ें और उसमें शहद डालकर इसे अच्छी तरह मिलाएं और इसे अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट बाद त्वचा को पानी से धो लें। सर्वोत्तम परिणामों के लिए इसे हफ्ते में 1-2 बार दोहराएं।

सूरजमुखी का तेल भी है कारगर

सूरजमुखी के बीज के तेल में लिनोलिक एसिड होता है जो आपकी त्वचा को हाइड्रेट करता है और त्वचा के बैरियर को मजबूत करता है। लाभ के लिए सूरजमुखी के तेल की कुछ बूंदें लें और इससे अपनी त्वचा की मालिश करें। ऐसा दिन में कम से कम एक बार करें ताकि आपकी त्वचा में नमी बनी रहे।

क्या आप भी है गले की खराश या जुकाम से परेशान? तो अपनाएं ये नुस्खा,तुरंत मिलेगा निजात

मौसम में बदलाव के कारण इस समय लोगों को कई प्रकार के इंफेक्शन और बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है, इसमें सर्दी, खांसी एवं जुकाम का खतरा सबसे अधिक होता है। चूंकि अभी सर्दी का मौसम अभी पूरी तरह आया नहीं है, तो ऐसे में कई व्यक्ति अभी तक ठंडे पानी, कोल्ड ड्रिंक्स, या लस्सी पीने की आदत छोड़ नहीं पाए हैं। मगर इसकी वजह से उन्हें गले की खराश का सामना करना पड़ता है, ये एक ऐसी समस्या है जिसके शिकार होने के बाद ठीक से बात करना मुश्किल हो जाता है, यहां तक की भोजन करने में भी परेशानी होती है।

गले की खराश कैसे करें दूर?

दादी-नानी के जमाने के कई ऐसे नुस्खे हैं जो गले एवं नाक की बीमारियों से हमें छुटकारा दिला सकते हैं। विशेष तौर पर गले की खराश से यदि आप परेशान हैं तो किचन में रखी इन चीजों का अवश्य उपयोग करें।

मेथीः-मेथी एक बेहत सुगंधित मसाला है, यही कारण है कि कई रेसेपीज को तैयार करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। इसके लिए आप एक चम्मच मेथी दानों को एक कप पानी में उबाल लें। इसके गुनगुने पानी को छन्नी से छानकर पी जाएं।

मुलेठी और शहदः-मुलेठी को गले की खराश का रामबाण उपचार माना जाता है, यदि आप भी इस परेशानी से छुटकारा पाना चाहते हैं तो एक चम्मच मुलेठी पाउडर लें तथा इसके साथ शहद को मिक्स कर लें। अब गुनगुने पानी के साथ इसके गरारे करें, इससे जल्द आराम प्राप्त होगा।

नमक और हल्दी के पानी के गरारेः-नमक एवं हल्दी का उपयोग हम अक्सर खाने का टेस्ट बढ़ाने के लिए करते होंगे, मगर इन दोनों का कॉम्बिनेशन गले की खराश से निजात दिलाने का कमा कर सकता है। इसके लिए आप एक ग्लास पानी को गैस स्टोव पर चढ़ाकर गुनगुना कर लें। अब इसमें आधा चम्मच नमक एवं एक चम्मच हल्दी को मिक्स करके लगभग 5 बार गरारे करें, आपकी परेशानी आहिस्ता-आहिस्ता कम होने लगेगी।

खाने का स्वाद बढ़ा देगा लहसुन का अचार,जानें बनाने की विधि

रोज के खाने में अक्सर वो स्वाद नहीं होता। जिसकी वजह से जायके को बढ़ाने के लिए लोग चटनी, रायता, अचार को साथ में खाना पसंद करते हैं। अचार तो लगभग हर घर में बनता है। खासतौर पर आम का अचार और मिर्चे का अचार। लेकिन इसके अलावा भी कई सारी चीजों के अचार बनाए जाते हैं। जो खाने में बहुत स्वादिष्ट लगते हैं। अगर आपने अभी तक लहसुन का अचार नहीं बनाया है तो एक बार ट्राई करें। इसे बनाना ज्यादा मुश्किल नही है। साथ ही इसका स्वाद भी काफी लाजवाब होता है। तो चलिए जानें कैसे बनेगा लहसुन का अचार।

लहसुन का अचार बनाने की सामग्री

सौ ग्राम लहसुन का अचार, 3 चम्मच सरसो का तेल, एक चौथाई चम्मच हल्दी पाउडर, अमचूर पाउडर दो चम्मच, लाल मिर्च का पाउडर, गुड़ जिसे बारीक कर लें, नमक स्वादानुसार।

मसाले के लिए जरूरत होगी एक चम्मच सरसों के दाने, एक चौथाई चम्मच मेथी के दाने, जीरा, एक चौथाई खड़ी धनिया के बीज, हींग।

लहसुन का अचार बनाने की विधि

लहसुन का अचार बनाने के लिए किसी पैन में सरसो का तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमे लहसुन और हल्दी पाउडर डालकर धीमी आंच पर पकाएं। इसे तब तक पकाएं जब तक कि लहसुन नर्म ना हो जाए। फिर इसमे अमचूर पाउडर डालकर मिलाएं। दो से तीन मिनट में इसे चम्मच से चलाते हुए पकाएं। साथ में लहसुन में लाल मिर्च पाउडर, गुड़ और नमक डालें।

लहसुन का अचार

इसे पकाएं और गुड़ को पिघल जाने दें। ध्यान रहे कि इसे चलाते रहें। जिससे कि सारे मसाले अच्छी तरह से मिल जाएं। इसमे खड़े मसालों का पाउडर डाल दें और मिलाएं। बस अच्छी तरह से पकाने के बाद गैस पर से उतार लें। ठंडा हो जाने दें और किसी कांच के जार में भरकर रख दें। ये अचार एक सप्ताह बाद खाने के लिए बिल्कुल तैयार है।

लोक संस्कृति के अद्भुत रंगों से गुलजार हुई राज्योत्सव की शाम

» जिला प्रशासन द्वारा राम वनगमन पथ,रीपा,जेजेएम,नरवा मिशन सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं पर बने लाइव मॉडल ने खींचा लोगों का ध्यान

» गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना हो रही साकार,अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंची विकास की बयारःकमरो

» आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन कर रही बेहतर काम।

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

राज्योत्सव 2022 के जिला स्तरीय समारोह की संध्या लोक संस्कृति के अद्भुत रंगों और स्कूली बच्चों व कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों से गुलजार रही। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित शानदार कार्यक्रम में आदिवासी धुनों, शासकीय योजनाओं के जीवंत प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों को आकर्षित किया। राज्योत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सविप्रा उपाध्यक्ष एवं भरतपुर सोनहत विधायक श्री गुलाब कमरो ने उपस्थित लोगों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों ने अंतिम छोर के व्यक्ति तक विकास की बयार पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि शासन ने आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव ने पूरे विश्व में अभिनव पहचान बनाई है। उन्होंने कार्यक्रम में जिला प्रशासन की टीम को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी, गोधन न्याय योजना, हाट बाजार क्लिनिक, मनरेगा और राजस्व मामलों में सकारात्मक प्रगति के लिए शुभकामनाएं दी। राज्योत्सव समारोह में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री वेदांती तिवारी एवं जनपद पंचायतों तथा नगरपालिका के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिले की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने जिले में राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओ के बेहतर क्रियान्वयन और प्रगति की जानकारी दी। सीईओ जिला पंचायत श्रीमति नम्रता जैन ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनता के प्रति आभार व्यक्त किया।

शासकीय विभागों द्वारा लगाए गए योजनाओं के लाइव मॉडल

राज्योत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम में शासकीय योजनाओं पर बने लाइव मॉडल ने लोगों का ध्यान खींचा। राम वन गमन पर्यटन पथ, कार्यक्रम स्थल के मध्य में उद्यानिकी विभाग द्वारा ड्रिप इरिगेशन मॉडल, महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क, देवगुडी एवं आदिवासी पोशाक आभूषण, सुपोषण वाटिका, जल जीवन मिशन सिस्टम जैसे मॉडल विभागों द्वारा प्रस्तुत किए गए जिनके जरिए लोगों ने योजनाओं की विस्तार से कार्यप्रणाली को समझा। मुख्य अतिथि श्री कमरो ने भी इन मॉडल का अवलोकन किया और जिला प्रशासन के इस अभिनव प्रयास की सराहना की।

करमा के ताल, छत्तीसगला कईथे धान के कटोरा,कालबेलिया नृत्य स्कूली बच्चों के सुंदर नृत्य से भाव विभोर हुए लोग

स्कूली बच्चों के नृत्य के साथ धान खरीदी तिहार की छटा राज्योत्सव में देखने को मिली। बच्चों के सुंदर नृत्य पर मुख्य अतिथि श्री कमरो सहित कलेक्टर, स्थानीय जनप्रतिनिधि और मौजूद सभी दर्शक भाव विभोर हो उठे। राज्योत्सव में प्रसिद्ध राजस्थानी नृत्य कालबेलिया की प्रस्तुति भी देखने को मिली। इसके साथ ही श्आओ दोस्तो तुमको बताएश् गीत पर डांस कर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

राज्योत्सव में मुख्य अतिथि श्री कमरो ने द्वारा हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण

राज्योत्सव में मुख्य अतिथि श्री कमरो ने शंकर एवं जय मां गौरी महिला स्वयं सहायता समूह, कटकोना, भावना महिला स्वसहायता समूह सुंदरपुर, और राखी समूह को प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया। इसी तरह कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, मछली पालन, समाज कल्याण, राजस्व एवं महिला बाल विकास के हितग्राहियों को सहायता राशि तथा आवश्यक उपकरण प्रदाय किए गए।

राज्य स्थापना दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ

-संवाददाता-

सूरजपुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

यहां स्टेडियम ग्राउंड में जिला प्रशासन के तमाम जिम्मेदार अधिकारियों की मौजूदगी में भारी अव्यवस्थाओं के बीच राज्य के स्थापना दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। ऐसा पहली बार हुआ है जब जिम्मेदार अधिकारियो की मौजूदगी में अव्यवस्था के आलम में राज्योत्सव जैसा महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ और जिम्मेदार अपनी आंखें मूंदे हुए थे। जिला स्तरीय उक्त आयोजन में ना ही पर्याप्त पेजयल व्यवस्था दिखी और न ही शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था की गई थी।घण्टो से छोटे छोटे स्कूली बच्चों को कार्यक्रम स्थल पर बैठाये रखा गया था परंतु जिला प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार नुमाइंदा इन बच्चों की सुध लेने वाला नहीं था। घण्टो से भूखे प्यासे बच्चे कार्यक्रम स्थल पर बैठे रहे परंतु उनके लिए पानी तक कि व्यवस्था नहीं कि गई थी। घण्टो भूखे प्यासे बैठे बच्चो को मुख्यातिथि के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद जल पान नसीब हो सका। सबसे ज्यादा शर्मशार करने वाली स्थिति कार्यक्रम स्थल में शौचालयो को लेकर रही। स्कूली छात्र छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में शहर से सभी आयुवर्ग की महिलाएं भी कार्यक्रम स्थल पर पहुंची थी जिनमे महिला कर्मचारी भी शामिल थी। जिनके लिए शौचालयों की समुचित व्यवस्था तक जिला प्रशासन के जिम्मेदारों द्वारा नहीं किया गया था। वहीं नाम मात्र के जो शौचालय वहां थे उनमें भी गेट आदि की व्यवस्था नहीं थी जिसे पर्दो से ऐसे ढांक दिया गया था जो शौचालय लग ही नहीं रहे थे। जिसके कारण लघुशंका के लिए स्कूली बच्चे व महिलाएं उचित स्थान की तलाश में इधर उधर भटकते नजर आए। जब की प्रतिवर्ष राज्योत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंचती है। ऐसा नहीं है कि इस बात की जानकारी उन जिम्मेदारों को नहीं है। सब कुछ जानते हुए भी जिम्मेदारों की यह गैरजिम्मेदाराना हरकत समझ से परे है। जो राज्योत्सव जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में देखने को मिला है। यहां यह भी बताना लाजिमी है कि जिले की एक सबसे जिम्मेदार अधिकारी एक बार भी आयोजन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने नहीं पहुंची। अगर वे आयोजन स्थल पहुंचकर व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश देतीं तो शायद राज्योत्सव जैसे महत्वपूर्ण आयोजन जो जिला स्तरीय आयोजन है। उसमें अव्यवस्थाओं का यह आलम नहीं रहता। यह पहला मौका है जब जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों के सामने यह आलम है।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी को पुष्पांजलि अर्पित किया गया

» मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़,पंजाब,हरियाणा,कर्नाटक,केरल व आंध्रप्रदेश का स्थापना वर्ष अलग पर दिन व माह एक, खास है 1 नवम्बर।

» सात राज्य का स्थापना दिवस एक ही दिन पता है इन सात राज्यों के लिए 1 नवंबर का दिन बहुत ही महत्व रखता है।

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भारत के सात राज्य छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश अपना स्थापना दिवस मनाएगा। हर साल 1 नवंबर को मनाए जा रहे स्थापना दिवस में राज्य सरकारें कई आयोजन करेंगी और इस दिन को बड़े धूमधाम से मनाएगी। वही भाजपा के दौरा छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मंडल पटना के जमगहना शक्ति केंद्र में इस राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न पूज्य अटल बिहारी वाजपेई जी को पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित किया गया। भाजपा नेता अनिल कुमार जयसवाल ने कहा की देश अटल जी की सरकार थी उस समय मध्यप्रदेश से अलग हो कर छत्तीसगढ़ राज्य बना, इस राज्य की स्थापना 1 नवंबर 2000 को हुई थी। छत्तीसगढ़ के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका महत्वपूर्ण रही। प्रधानमंत्री आएंगे-जाएंगे, मुख्यमंत्री आएंगे-जाएंगे, लेकिन यह श्रेय अटल बिहारी वाजपेयी के साथ जुड़ा रहेगा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य को अपने प्रधानमंत्री रहते मंजूरी दी और उसका निर्माण कराया। उस वक्त छत्तीसगढ़ में उनकी पार्टी की स्थिति बहुत सशक्त नहीं थी और यह लगभग तय था कि नए राज्य में कांग्रेस ही सरकार बनाएगी और ऐसा ही हुआ। अजीत जोगी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में पहली सरकार कांग्रेस की बनी। किन्तु, जब चुनाव हुए तो एक अलग राज्य के रूप में अटलजी द्वारा रोपा गया बीज अंकुरित हुआ। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने छत्तीसगढ़ में एक नए दौर की शुरुआत की। अटलजी ने अपने मंत्रिमंडल के राज्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बनाया। इसमें एक बड़ा योगदान अटल बिहारी वाजपेयी का है। श्री जयसवाल ने कहा की उनके अतुलनीय योगदान को छत्तीसगढ़ कभी भूल नहीं सकता। यह भी इतिहास में सदा दर्ज रहेगा छत्तीसगढ़ जब बना तब देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। 1998 में रायपुर के सप्रे स्कूल मैदान की सभा में अटलजी ने वादा किया था कि इस

अंचल की लोकसभा की 11 में से 11 सीटें दिलाएंगे तो छत्तीसगढ़ राज्य मिल जाएगा। लेकिन छत्तीसगढ़ ने तो 11 सीट नहीं दी, फिर भी उन्होंने अपना किया वादा निभाया और छत्तीसगढ़ राज्य बना। राज्य के लोग यह भूल नहीं सकते कि रायपुर के जिस सप्रे स्कूल मैदान में राज्य निर्माण का वादा किया था, राज्य निर्माण के बाद उसी मैदान में 36 लाख पंखुडियों से अटलजी का अभिनंदन किया गया था। सर्वविदित है कि छत्तीसगढ़ ने शिक्षा के क्षेत्र में जो विकास किया है उसमें भी अटलजी का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने 2004 में रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, दुर्ग में तकनीकी विश्वविद्यालय और बिलासपुर में सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। पृथक छत्तीसगढ़ राज्य का सपना प्रदेश के महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राजनीतिज्ञों, बुद्धिजीवियों और छत्तीसगढ़वासियों ने देखा था। अटलजी ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाकर उन सभी का सपना साकार किया। अब सरकार की जिम्मेदारी है कि अटलजी के पृथक राज्य गठन का उद्देश्य पूरा हो। पृथक छत्तीसगढ़ियों के सपनों का छत्तीसगढ़ बने। छत्तीसगढ़ी संस्कृति, संस्कार व भाषा की रक्षा हो। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आज मंडल पटना के जमगहना शक्ति केंद्र में राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पूज्य अटल बिहारी वाजपेई जी को पुष्पांजलि अर्पित करने के दौरान भाजपा के किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विनोद साहू, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार जायसवाल, मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, जनगहना उपसरपंच संदीप दुबे, प्रेम प्रकाश पांडे, राम भजन जयसवाल सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे ।

1 नवंबर का इतिहास-

1 नवंबर का इतिहास भारत के पन्ने पर छप गया है क्योंकि ये दिन भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी दिन देश के विभिन्न राज्यों का भाषा के आधार पर पूर्नगठन करने का फैसला लिया गया था। इसमें छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश राज्य शामिल है। ये सात राज्य एक ही दिन अपना स्थापना दिवस मनाते हैं। आइये जान लेते हैं कि कैसे ये सात राज्य कैसे अपना स्थापना दिवस मना रही हैं। देश का दिल कहे जाने वाला राज्य मध्य प्रदेश आज अपना 67 वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस राज्य की स्थापना 1 नवंबर 1956 को हुई थी। पंजाब का पूर्नगठन 1 नवंबर 1966 को हुआ था। वहीं पंजाब पुनर्गठन विधेयक, 1966 के अनुसार 1 नवंबर, 1966 को हरियाणा राज्य के रूप में एक नये राज्य का उदय हुआ। दोनों राज्य इस दिन को मना रहा है। आज हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर आदमपुर में भाजपा-जजपा प्रत्याशी भाव्य बिशनोई के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। कर्नाटक का पूर्नगठन 1 नवंबर 1956 को भाषा के आधार पर हुआ था। इसमें सभी कन्नड़ भाषी क्षेत्रों को एक ही राज्य में विलय कर दिया गया था। वहीं केरल का पूर्नगठन भी 1 नवंबर 1956 को हुआ। केरल में आज 1 नवम्बर के दिन केरालाप्पिरवी केरल का जन्मदिन मनाते है। हमारी प्रतिबद्धता प्रत्येक कन्नड़ को वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। एतिहासिक धरोहरों से समृद्ध आंध्र प्रदेश की स्थापना भी 1 नवंबर 1956 को हुई थी। आंध्र के लोगों के लिए इस दिन का विशेष महत्व है।

पनिका समाज के प्रांतीय अध्यक्ष बने वंशधारी सांवरा जी

-संवाददाता-

मरवाही 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पनिका समाज द्वारा 29 व 30 अक्टूबर 2022को दो दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन व सम्मान समारोह का आयोजन जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही के अग्रसेन भवन में किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ पनिका समाज के प्रांतीय स्तर के पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया नवीन प्रांताध्यक्ष पद के जिम्मेदारी के लिए माननीय श्री बंशधारी सांवरा जी को चुना गया। प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री दशरथ साकत जी, प्रांतीय सचिव श्री थानू राम बघेल व प्रांतीय कोषाध्यक्ष पद पर श्री साधु राम कोठारी जी को सर्वसम्मति से चुने गए हैं। नियुक्ति पश्चात नवनियुक्त छत्तीसगढ़ पनिका समाज के प्रांताध्यक्ष श्री वंशधारी सांवरा जी ने समाज के हित में निरंतर कार्य करने की बात कही। उन्होंने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि पनिका समाज के प्रमुख मांगों को हर स्तर पर पूरा करने के लिए पूरे संगठन के साथ सक्रिय रहेंगे और जहां भी समाज के किसी वर्ग को जरूरत होगी वह खड़े रहेंगे।

दो दिनों तक चले इस छत्तीसगढ़ पनिका समाज के सम्मेलन का आयोजन ÷पनिका समाज जन कल्याण समिति ÷ के तत्वाधान में संपन्न किया गया। द्वितीय दिवस पनिका समाज के प्रतिभावान बेटे एवं बेटियों को 10वीं एवं 12वीं बोर्ड की परीक्षा में मेरिट सूची के आधार पर सभी 25 बेटे एवं बेटियों को गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला के तहसीलदार श्रीमती तुलसी जायसवाल के हाथों प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किए गए। पूर्व जिलाअध्यक्ष श्री जियालाल सोनवानी व नवीन प्रांतीय सचिव श्री थानू राम बघेल ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अंक अर्जित करने वाले हमारे समाज के सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दिये। दीपावली मिलन पर प्रकाश डालते हुए कहा की समारोह का सार्थक उद्देश्य तब कायम होगा जब हम अपने समाज में व्याप्त कुरीतियों की अंधेरों को जन जागरण के दीपक से खत्म कर देंगे।

स्कूली बच्चियों,कलाकारों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई

-संवाददाता-

खड़गवां 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

खड़गवां में आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन जन संवाद कार्यक्रम में शामिल हुई जिपं अध्यक्ष रेणुका सिंह

हमर बेटी हमर मान के तहत बडी संख्या मे जागरूकता रैली निकाल कर मितानिनों दीदी बहनों एमटी के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

31 अक्टूबर को खडगवा जनपद पंचायत के प्रांगण मे स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन एमसीबी जिले के खड़गंवा विकास खण्ड़ में जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मितानिन बहनों, एमटी और खड़गवां क्षेत्र के माताए दीदी-बहनें भी शामिल हुई। आयोजन में मितानिन और एमटी दीदीयो के द्वारा ग्रामीणों क्षेत्रों की विभिन्न स्थानीय समस्याओं के बारे में

जानकारी एकत्र कर जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह को लिखित में सामूहिक रूप से आवेदन देकर समस्याओं के बारे में बताते हुए जल्द समस्याओ के निराकरण की मांग की गई जिस पर जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया रेणुका सिंह द्वारा उपस्थित सभी जन समुदाय मितानिनों दीदी बहनों को अवगत कराया गया की उच्चधिकारियो से चर्चा कर जल्द ही ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को दूर किया जायेगा।

आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में राशन कार्ड की विभिन्न समस्या, विकलांगो की समस्या, हॉस्पिटल की कई प्रकार के समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई वहीं स्कूलों के बच्चियों एवं ,कलाकारों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई, व कार्यक्रम में आए हुए अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनमति उर्रे, जिला पंचायत सदस्य उषा करियाम, चुन्नी पैकरा, जनपद पंचायत के खडगवा के सीईओ, मितानिन प्रोग्राम के जिला समन्वयक प्रमिला सिंह, जिला क्षेत्र समन्वयक रेखा सिंह, विकास खण्ड समन्वयक मीरा साहू, खड़गवां स्वास्थ्य समन्वयक कौशल्या सिंह का स्वागत किया गया। आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में खड़गंवा विकास खण्ड के समस्त एमटी व मितानिनों का सराहनीय योगदान दिया गया।

गौ रक्षा वाहिनी ने मनाया गौ अष्टमी,गौ माता को गुड़ चना खिलाकर गौ सेवको ने की पूजा

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

गौ रक्षा वाहिनी ने गौ अष्टमी पर गौ माता को गुड़ चना खिलाकर गौ सेवको ने गौ माता की पूजा की आपको बता दें कि गौ अष्टमी का पर्व है गौ अष्टमी के दिन गौ माता की विशेष रूप से पूजा की जाती है वैसे तो प्रतिदिन गौ माता की पूजा की जाती है पर गौ अष्टमी के दिन विशेष रुप से गौ माता की पूजा अर्चना की जाती है इसी तारतम्य में गौ रक्षा वाहिनी एवं देवरहा बाबा सेवा समिति के सदस्यों ने आज सर्वप्रथम प्रेम बाग शिव मंदिर में गौ माता की पूजा पूरी विधि विधान से की उसके पश्चात गौ माता को गुड़ चना मिस्ठान खिलाया। उसके बाद बाल मंदिर में जाकर गौ माता को गुड़ चना खिलाया गया तलवा पारा स्थिति शहरी गौठान में भी गौ रक्षा वाहिनी के सदस्य वहां पहुंच करके गौ माताओं को गुड चना रोटी फल मिष्ठान खिलाया, देवरहा सेवा समिति के

अध्यक्ष शेलश शिवहरे ने बताया कि प्रतिदिन गौ रक्षा वाहनी द्वारा संचालित रोटी रिक्शा बैक के द्वारा घर घर जा कर रोटी कलेक्टर की जाती है और सदैव गौ रक्षा वाहनी की पूरी टीम प्रतिदिन गौ सेवा का कार्य करती है। गो अष्टमी के पर्व को देखते हुए बाल मन्दिर गौ शाला को विशेष रूप से फूलो से सजावट की गई जिससे गौ शाला काफी सुंदर और आकर्षक लगे गौ अष्टमी मनाने में प्रमुख रूप से ऊपर तिल सदस्यों में देवरा बाबा सेवा समिति के अध्यक्ष शैलेश शिवहरे अनिल शर्मा आशीष शुक्ला भानु पाल सुभाष साहू संजय जायसवाल पार्षद मुसाफिर जी अरविंद सिंह डब्ल्यू मनोज सोनी शैलेंद्र शर्मा अनूप अग्रवाल पुष्पेंद्र सिंह अनुराग दुबे प्रभाकर सिंह सुरेंद्र सिंह छोटू विशाल सिंह हितेश प्रताप सिंह लक्की अंकुर जयसवाल उमेश तमाप्रकार बाबू विनय गुप्ता राजा रवि त्रिपाठी घनश्याम साहू आयुष नामदेव विजय दुबे मुन्ना हरीश पांडे एवं देवराहा बाबा सेवा समिति एवं गौ रक्षा वाहिनी के सभी सदस्य उपस्थित थे।

गौ रक्षा वाहनी के जिलाध्यक्ष अनुराग दुबे ने बताया कि गौ अष्टमी का महत्व काफी है हमारे धर्म मे गाय को माता का दर्जा दिया गया है इसी लिए हमारी पूरी टीम यही कोशिस करती है कि गौ माता की सेवा मे कोई कमी ना रह जाये इसी तारतम्य में आज गौ अष्टमी का पर्व शहर के गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक लोगो द्वारा मनाई गयी, गौ रक्षा वाहनी के संभागीय अध्यक्ष प्रभाकर सिह ने बताया कि गौ माता का हमारे सनातन धर्म मे काफी महत्व है और इसी लिए सभी के घर से पहली रोटी गाय के लिए ही निकली जाती है कार्यक्रम में गौ रक्षा वाहनी देवरहा बाबा सेवा समिति के कार्यकर्ता स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे बैकुंठपुर के बाल मन्दिर के गौ शाला को विशेष रूप से सजाया गया।

पुलिस लाईन मेंआयोजित हुआ रस्मी परेड

-संवाददाता-

सूरजपुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री एवं उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस पर पुलिस लाईन सूरजपुर में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा, पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू व सीईओ जिला पंचायत सुश्री लीना कोसम की मौजूदगी में रस्मी परेड का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने इस मौके पर राष्ट्रीय एकता व अखंडता बनाए रखने के लिए सभी पुलिस अधिकारी, जवानों व छात्र-छात्राओं को संकल्प दिलाया। रस्मी परेड़ में पुलिस के अधिकारी-जवानों सहित जवाहर नवोदय विद्यालय, बालक व कन्या हाईस्कूल के एनसीसी, स्काउट एवं स्टूडेंट पुलिस कैडेट के छात्र-छात्राएं सम्मिलित रहे। इस दौरान कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा ने कहा कि सरदार पटेल केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। उन्होंने देश को एकता के सूत्र में पिरोने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनके विचार और कार्य हमें एक भारत-श्रेष्ठ भारत के मंत्र से जीने की प्रेरणा देते हैं।

पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने बताया कि सरदार पटेल आजाद भारत के पहले उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री रह चुके हैं। भारत के निर्माण और राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार वल्लभ भाई पटेल का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज हम जिस विशाल और संगठित भारत को मूर्त रूप में देखते हैं, लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की दृढ़ इच्छा शक्ति और उनके कुशल नेतृत्व के बिना पूरी नहीं हो पाती।

क्या कलेक्टर कोरिया को नहीं पता था कि जिन की अध्यक्षता में होना है कार्यक्रम वह विधानसभा से रहेंगी बाहर ?

» क्या जनता के कयास पर अपना विधानसभा का कार्यक्रम छोड़ विधायक ने लगाई मोहर ?

» प्रशासन के आमंत्रण कार्ड में स्थानीय विधायक की अध्यक्षता में होना है कार्यक्रम फिर कार्यक्रम से नदारत क्यों ?

» अपना विधानसभा छो फिर राजधानी रायपुर के कार्यक्रम में शिकरत करती नजर आईं बैकुंठपुर विधायक।

» क्षेत्रवासियों के साथ राज्योत्सव नहीं मनाने का यह कैसा निर्णय, क्या मुख्य अतिथि नहीं बनाए जाने का है उन्हें मलाल ?

» कोरिया के बैकुंठपुर जिला मुख्यालय में भरतपुर सोनहत विधायक रहे राज्योत्सव के मुख्य अतिथि।

» बैकुंठपुर विधायक को नहीं बनाया गया कहीं का भी मुख्य अतिथि, कहीं घटती लोकप्रियता तो इसकी वजह नहीं ?

» अपने ही विधानसभा में विधायक के पास नहीं है समर्थकों की टोली, कुछ को छोड़ सभी क्यों है विरोधी में ?

» वरिष्ठ कांग्रेसियों से भी विधायक की हमेशा बनी रही है दूरी, वरिष्ठ कांग्रेसियों को भी विधायक से नहीं मिलता सम्मान।

» विधानसभा छो पलायन कर रायपुर राज्योत्सव कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर उठ रहे सवाल।

» अपने ही विधानसभा के कार्यक्रम से पलायन करना कार्यक्रम का विरोध करने जैसा लग रहा आरोप।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिला मुख्यालयों में शासन की तरफ से मुख्य अतिथियों की घोषणा की गई थी और इसी क्रम में बैकुंठपुर विधानसभा और कोरिया जिले के राज्योत्सव कार्यक्रम में सविप्रा उपाध्यक्ष भरतपुर सोनहत विधायक गुलाब कमरों को मुख्य अतिथि बनाया गया था और उन्हीं के मुख्य आथित्य में जिले में राजोत्सव का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के राज्योत्सव के लिए जैसे ही मुख्य अतिथियों का नाम की सूची जारी हुई और स्थानीय विधायक का नाम उस सूची में नहीं दिखा तभी से ही विधानसभा की जनता यह कयास लगाने लगी थी कि आयोजित कार्यक्रम में विधायक उपस्थित नहीं होंगी क्योंकि उन्हें मुख्य अतिथि नहीं बनाया गया है आखिर वही हुआ और जनता की आशंका को विधायक ने अपना विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम को छोड़कर मोहर लगा दी और यह बता दें कि जनता कहीं ना कहीं उनकी सोच को समझने लगी है। राजोत्सव कार्यक्रम में बैकुंठपुर विधायक को जिले में मुख्य अतिथि नहीं बनाया गया और इस बात से विधायक काफी निराश हुई हैं ऐसा बताया जा रहा है और जिसकी वजह से उन्होंने राज्योत्सव कार्यक्रम के जिला स्तरीय आयोजन से पलायन कर लिया और राजधानी के कार्यक्रम में शिरकत करती देखी गईं। बैकुंठपुर विधायक के जिला मुख्यालय और विधानसभा के कार्यक्रम से पलायन को कार्यक्रम के विरोध के रूप में देखा जा रहा है और नाराजगी से जोड़कर भी देखा जा है। बता दें कि बैकुंठपुर विधायक को इसके पहले भी कई जिला स्तरीय कार्यक्रमों में जब भी मुख्य अतिथि नहीं बनाया गया है तब भी वह मुख्यालय से पलायन करती ही देखी गई हैं और राजधानी में ही नजर आई हैं। बैकुंठपुर विधायक के जिला मुख्यालय खासकर विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम से दूरी बनाए जाने को लेकर अब यह भी कहा जाने लगा है कि यह निर्णय गलत है मुख्य अतिथि न सही कार्यक्रम की अध्यक्षता उन्हीं के जिम्मे होती यदि वह उपस्थित रहती और उनकी अनुपस्थिति से यह साबित होता है कि उन्हें क्षेत्र की जनता की तनिक भी चिंता नहीं अपने मान और सम्मान से बढ़कर उनके लिए कुछ भी नहीं और वह इसलिए ही पलायन कर गईं हैं।

घटती लोकप्रियता मुख्य अतिथि नहीं बनाए जाने की वजह तो नहीं ?

बैकुंठपुर विधायक की लोकप्रियता लगातार घट रही है इस बात से इसलिए भी इंकार नहीं किया जा सकता क्योंकि उनका क्षेत्र भ्रमण बिल्कुल न्यून है और उनका क्षेत्र की जनता के बीच उनकी समस्याओं को लेकर भी कम ही प्रयास रहता है। बैकुंठपुर विधायक बैकुंठपुर विधानसभा की आज तक कि सबसे कम लोकप्रिय विधायक हैं यह कहना भी गलत नहीं होगा क्योंकि उनकी क्षेत्र की जनता की जरूरतों में समय समय पर उपलब्धता नहीं के बराबर है और

यह माना जा रहा है कि सरकार भी इस बात से भिज्ञ है और इसलिए ही उन्हें मुख्य अतिथि नहीं बनाया गया है और भरतपुर सोनहत विधायक को जिम्मेदारी दी गई है जिनकी लोकप्रियता काफी है अविभाजित कोरिया जिले में।

आमंत्रण पत्र में कार्यक्रम की अध्यक्ष हैं बैकुंठपुर विधायक,क्या जिला प्रशासन उनके पलायन से था अनभिज्ञ

राज्योत्सव के लिए जो आमंत्रण पत्र जिला प्रशासन कोरिया ने वितरित किया है उसमें राज्योत्सव कार्यक्रम की अध्यक्ष संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवम बैकुंठपुर विधायक हैं लेकिन वह कार्यक्रम से पूर्व ही बैकुंठपुर से पलायन कर चुकी हैं एवम राजधानी के कार्यक्रम में शिरकत कर रही हैं वहीं अब आमंत्रण पत्र को लेकर यह बात उठ रही है कि क्या जिला प्रशासन अनभिज्ञ था बैकुंठपुर विधायक के क्षेत्र पलायन के निर्णय से या जिला प्रशासन भी जनता था कि वह उपलब्ध नहीं रहेंगी और कार्यक्रम उनके बिना ही संपन्न होगा। वैसे यदि उनके राजधानी जाने की पूर्व योजना थी तो ऐसे में जिला प्रशासन की यह चूक है और यदि बैकुंठपुर विधायक केवल मुख्य अतिथि नहीं बनाए जाने से नाराज होकर अचानक राजधानी चली गईं तो ऐसे में जिला प्रशासन की गलती नहीं मानी जायेगी।

वरिष्ठ कांग्रेसजन सहित पार्टी कार्यकर्ताओं से भी विधायक की है दूरी

वैसे बैकुंठपुर विधायक को मुख्य अतिथि नहीं बनाए जाने से राज्योत्सव कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसजनों एवम पार्टी के कार्यकर्ताओं को निराश नहीं देखा जा रहा है वहीं कार्यक्रम में सभी के शिरकत की खबर है। बता दें कि बैकुंठपुर विधायक से वरिष्ठ कांग्रेसजनों पार्टी कार्यकर्ताओं की लगातार दूरी किसी स्व छिपी नहीं है,बैकुंठपुर विधायक अपने कार्यकाल के आरंभ से ही वरिष्ठ कांग्रेसजनों सहित पार्टी कार्यकर्ताओं से दूरी बनाते चली आ रहीं हैं और इसी वजह से उन्हें मुख्य अतिथि राज्योत्सव में नहीं बनाए जाने के बावजूद भी वरिष्ठ कांग्रेसजनों सहित पार्टी कार्यकर्ताओं को विरोध में नहीं देखा गया और कार्यक्रम में उनकी शिरकत देखी गई।

बैकुंठपुर विधायक के सीमित समर्थक दिखे निराश

बैकुंठपुर विधायक के सीमित संख्या में विधानसभा के समर्थकों को ही

मात्र निराश देखा गया और उनके द्वारा सोशल मीडिया पर बैकुंठपुर विधायक के राजधानी के कार्यक्रम में शिरकत की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करते देखा गया। बैकुंठपुर विधायक के इन सीमित संख्या वाले समर्थको को राज्योत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम में भी नहीं देखा गया।

भरतपुर सोनहत विधायक के कोरिया जिला राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनने से उत्साहित दिखे जिले के कांग्रेसी

भरतपुर सोनहत विधायक पूरे अविभाजित कोरिया जिले में लोकप्रिय हैं इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कोरिया जिले के राज्योत्सव कार्यक्रम में उन्हें मुख्य अतिथि बनाये जाने से कोरिया जिले के कांग्रेसियों को भी उत्साहित देखा गया और जिले के कांग्रेसियों को कहीं से निराश नहीं देखा गया जबकि उनके ही विधायक को मुख्य अतिथि बनने का मौका नहीं मिला।

बैकुंठपुर विधायक मुख्य अतिथि नहीं बनाए जाने से पहले भी हो चुकी हैं नाराज,कर चुकी हैं पलायन

यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नहीं बनाये जाने से बैकुंठपुर विधायक नाराज हुई हों,इसके पहले भी राष्ट्रीय पर्व जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर जब उन्हें जिले के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नहीं बनाया गया वह विधानसभा से पलायन कर चुकी हैं और एक तरह से कार्यक्रम का बहिष्कार कर चुकी हैं।

विधानसभा छोड़ राजधानी के कार्यक्रम में बैकुंठपुर विधायक के शिरकत को लोग ठहरा रहे गलत

बैकुंठपुर विधायक भले ही नाराज होकर राजधानी रायपुर के राज्योत्सव कार्यक्रम में शिरकत कर रहीं हैं वहीं वह जिले के कार्यक्रम से दूरी बनाए हुए हैं वहीं उनके इस कदम को लोग गलत ठहरा रहें हैं और लोगों का मानना है कि क्षेत्र की जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्हें जिले के कार्यक्रम में उपस्थित रहना था और क्षेत्र की जनता के साथ कार्यक्रम में शिरकत करना था।

बैनर पोस्टरों में भी बैकुंठपुर विधायक का कद दिखा छोटा

राजनीतिक कद की अगर बात की जाए तो जिला प्रशासन के द्वारा राज्योत्सव कार्यक्रम के लिए जो बैनर पोस्टर छपवाए गए हैं उनमें बैकुंठपुर विधायक का कद छोटा करके दिखाया गया है। पोस्टर बैनर में मुख्यमंत्री सहित भरतपुर सोनहत विधायक की ही तस्वीरों को बड़े स्वरूप में दिखाया गया है।

जिस विधायक की वजह से कोरिया का अस्तित्व संकट में आया उसके मुख्य अतिथि बनने से और विधानसभा की जनता भी नाराज दिखी

कोरिया के विभाजन को लेकर बैकुंठपुर विधानसभा में रोष खत्म भी नहीं हुआ और उस रोष के अग्नि के बिच उस विधायक को मुख्य अतिथि बना कर भेज दिया गया जो कहीं ना कहीं आग में घी डालने का काम जैसा देखने को मिला, कोरिया के विभाजन को लेकर आक्रोश है तो वह मनेन्द्रगढ़ व सोनहत भरतपुर विधायक से रहा है, यह आक्रोशित सिर्फ बैकुंठपुर विधानसभा में नहीं मनेन्द्रगढ़ व सोनहत भरतपुर विधानसभा में भी देखा गया था और जिस जिले से उसके अस्तित्व को छिना गया उसी जिले के मुख्य अतिथि उन्हीं विधायक को बनाया गया है जिन की वजह से जिला विभजित हुआ और मूल जिले का अस्तित्व खत्म करने की देखी गई, जिस पर जनता ने भी उस उत्साह से राज्योत्सव में शामिल नहीं हुए जो उत्साह होना चाहिए था जिले का विभाजन कहीं ना कहीं राज्योत्सव को कम किया।

खनिज विभाग ने अवैध रेत से भरे 06 ट्रैक्टर पकड़े

साथ ही जिले के पांच रेत घाटों पर से लगा प्रतिबंध हटाया

-संवाददाता-

कोरबा , 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। जिले में इन दिनों रेत की तस्करी जोरों पर है रेत तस्कर दिन रात शहरी व ग्रामीण विभिन्न क्षेत्रों के नदी नालों से रेत की तस्करी कर रहे हैं साथ ही रात दिन नजदीकी रेत खदानों से कोरबा शहर में रेत के तस्करों द्वारा रेत की तस्करी की जा रही है इसी तारतम्य में जिला खनिज विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्यवाही करते हुए रेत तस्करी पर अंकुश लगाने विभाग की टीम द्वारा 02 दिन में अवैध रेत से भरे 6 ट्रेक्टर परिवहन करते हुए पकड़े ,जो उरगा,गोपालपुर सीतामढ़ी क्षेत्र से जब्त किए गए ढ्ढ जिला खनिज अधिकारी प्रमोद कुमार नायक ने बताया कि समय पर जैसे-जैसे अवैध रेत

उत्खनन एवं परिवहन की सूचना मिलती है, विभाग की टीम लगातार कार्यवाही कर रही है और यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने बताया के जिले में पांच रेत घाटों पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया है ढ्ढ 15 जून से 15 अक्टूबर तक बारिश का सीजन होता है और घाटों से रेत के उत्खनन पर रोक रहती है अतः बारिश समाप्ति के बाद फिर से कोरबा जिले के 05 रेत घाटों में उत्खनन और परिवहन पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया है जिला खनिज अधिकारी प्रमोद कुमार नायक ने बताया कि कोरबा जिले में कुल 17 रेत खदान जो पहले से स्वीकृत रही है उनमें से 11 रेत खदान संचालन प्रक्रिया में हैं ढ्ढ इसमें से पांच रेत खदान भैसामुड़ा,तरदा,बांगो, तेलसरा,धंवईपुर रेत खदान मे लगा प्रतिबंध हटा लिया गया है, बाकी अन्य 06 रेत खदानों मे लगा प्रतिबंध जल्द हटा लिया जाएगा ढ्ढ जिले के सीतामढ़ी रेत खदान व गेरवा रेत खदान सहित 06 रेत खदान जिनकी अवधि समाप्त हो गई है,उनका नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया किया जाएगा, इसके साथ-साथ जिले में 08 और रेत खदान खोलने की प्रक्रिया चल रही है, प्रयास है कि जिले के हर ब्लॉक में 02 से 03 रेत खदानें खोली जाएं जिससे लोगों को आसानी से रेत उपलब्ध हो सके.।

युवक ने ड्यूटी पर तैनात एएसआई की वर्दी फाड़ी

-संवाददाता-

रामानुजगंज 01 नवंबर 2022 (घटती घटना)। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के दौरान गांधी चौक पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैनात एएसआई योगेंद्र जयसवाल के साथ मारपीट करने एवं वर्दी फाड़ने वाले के ऊपर आईपीसी की धारा 353, 332, 186, 294, 506 के तहत कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 अक्टूबर छठ पूजा के दिन रात्रि लगभग 8ः00 बजे गांधी मैदान चौक के समीप राजपुर निवासी निशांत गुप्ता पिता आर एस गुप्ता उम्र 28 वर्ष के द्वारा लगाए गए

वेरी गेटिंग को हटाने का जदि करते हुए अपना ऑल्टो कार अंदर ले जाने की नाकाम कोशिश के बाद ड्यूटी पर तैनात एएसआई योगेंद्र जयसवाल के साथ अचानक गाड़ी से निकलकर मारपीट करते हुए उनके वर्दी को फाड़ दिया गया। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव करते हुए उसे किनारे कर दिया गया। मौके पर मौजूद आम पब्लिक ने उक्त घटना को देखकर आवाक रह गए की बातचीत हो ही रही थी इतने में सनकी युवक ने पुलिस के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। घटना के बाद मौके से पुलिस उसे गिरफ्तार कर थाने ले आई और उस पर कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर उसे जेल भेज दिया गया।

स्व.सरदार पटेल की जयंती मनाया गया

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर , 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। सोनहत नेहरू युवा केंद्र कोरिया छत्तीसगढ (युवा कार्यक्रम एव खेल मंत्रालय भारत सरकार) एवं जिला युवा अधिकारी पवन कुमार के निर्देशानुसार 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती सोनहत ब्लाक के ग्राम पंचायत घुघरा में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि अविनाश पाठक जी, जनपद सदस्य श्री कृष्ण कुमार राजवाडे जी, घुघरा ग्राम के सरपंच कपिल देव सोनपाकर जी, घुघरा ग्राम के सहायक सचिव भूपेंद्र सोनवानी जी राजीव युवा मितान के उपाध्यक्ष ओमकार राजवाड़े जी, कोषाध्यक्ष रवि लाल राजवाड़े जी और राजीव युवा मितान क्लब के सचिव व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक चंद्रकेश्वर त्रिदेव जी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आरंभ सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के छाया चित्र पर दीप जलन और माल्यार्पण के द्वारा किया गया इसके पश्चात युवती मंडल के सहयोग से बालिका वर्ग में खो खो खेल की प्रतियोगिता कराई गई जिसमें रानी लक्ष्मीबाई युवती मंडल घुघरा विजई रही है इसके पश्चात स्वच्छ भारत 2.0 के अंतर्गत चलाए जा रहे हैं स्वच्छता अभियान के लिए उपस्थित सभी लोगों को कैप, हैण्ड ग्लब्स, मास्क, प्रदान कर स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें ग्राम के खेल मैदान, ग्राम पंचायत परिसर और चौराहों की साफ-सफाई कराई गई। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर ÷रन फॉर यूनिटी÷ का आयोजन के पश्चात राष्ट्रीय एकता की शपथ करा कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

धान खरीदी को लेकर कलेक्टर के नाम का ज्ञापन एसडीएम कार्यालय को सौपा गया

-उपेश सिन्हा-

कुसमी , 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। प्रदेश भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश व्यापी अहवाह्न पर बलरामपुर जिले के भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ ने आज दिनांक 1/11/22 को कलेक्टर के नाम का ज्ञापन कुसमी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय मे सौपा ,ज्ञापन में धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी किए जाने हेतु भंडारण सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य प्रकार की तैयारिया नही किए जाने के संबंध में बलरामपुर कलेक्टर को ज्ञापन के माध्यम से ध्यानाकर्षित कराया गया, कांग्रेस सरकार पर ज्ञापन के जरिये आरोप लगाया गया है कि इसबार धान खरीदी उपार्जन केन्द्रों में किसी भी प्रकार की तैयारी नही किए जाने के साथ साथ धान खरीदी केंद्रों में धान खरीदी करने वाले स्थल का साफ़ सफाई ,व्यवस्था , भूषा , वरदाना, सूजा, सुतली, की व्यवस्था अब तक नही किया गया है , वही किसानों के लिए पेय जल,की व्यवस्था और सोसायटी में धान खरीदी करने हेतु

अग्रिम राशि भी जारी नही की गई है , जबकि सहकारी समिति के कर्मचारीयो द्वारा अपनी 2 सूत्रीय मांग को लेकर धान खरीदी से पृथक करने की मांग भी उठी थी, धान खरीदी केंद्रों में यह देखा जा सकता है की सरकार द्वारा बिना किसी प्रकार की सुव्यवस्थित ढंग से धान उपार्जन केन्द्रों में व्यवस्था किए बिना ही, धान खरीदी करने की घोषणा की गई है , जिससे पूरे छत्तीसगढ़ में किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए भाजपा प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ के द्वारा अपने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ के माध्यम से प्रदेश के सभी जिले में ज्ञापन के माध्यम से कलेक्टरो को धान उपार्जन खरीदी केंद्रों में धान खरीदी करने से पहले समुचित व्यवस्था करने की मांग सहकारिता प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों द्वारा ज्ञापन सौंप कर की जा रही है, ताकि प्रदेश के किसानों को धान उपार्जन केन्द्रों में धान की बिक्री करते समय किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े, ज्ञापन सौपने के कार्यक्रम में भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारणी सदस्य केदार गुप्ता, बलरामपुर सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला भाजपा संयोजक रमेश गुप्ता, सहकारिता प्रकोष्ठ के भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राकेश भारती, भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य उमेश्वर ओझा, वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी बली वेचन गुप्ता , पूर्व अल्प संख्यक भाजपा मंडल अध्यक्ष कुसमी मो0 शमीम, भाजपा पदाधिकारी अर्जुन दास सहित अन्य सहकारिता प्रकोष्ठ एवं भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुये।

पुलिस अधीक्षक ने 170 गुम हुए मोबाइल को मोबाइल मालिकों को लौटाए

-संवाददाता-

कोरबा , 01 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा गुम हुए मोबाइल खोज कर मोबाइल मालिकों को वापस करने के निर्देश सायबर सेल के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं सायबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक साहू को दिए गए हैं । निर्देश के पालन में सायबर सेल कोरबा टीम द्वारा गुम हुए मोबाइल को तकनीकी आधार पर लगातार खोजा जा रहा है इसी कड़ी में आज पुलिस अधीक्षक सभागार में संतोष सिंह द्वारा 170 नग गुम हुए मोबाइलों को उनके मालिकों को वापस किया गया । इस अवसर पर उपस्थित मोबाइल मालिकों के चेहरे की खुशियां देखते ही बन रही थी । मोबाइल मालिकों ने मोबाइल वापस पाकर कोरबा पुलिस का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने मोबाइल वापस पाने की आस छोड़ दी थी , किंतु कोरबा पुलिस एवं सायबर सेल के प्रयासों से उन्हें मोबाइल वापस प्राप्त हुआ है ,जिसके लिए मोबाइल मालिकों द्वारा कोरबा पुलिस का आभार व्यक्त किया गया ।कोरबा पुलिस सायबर सेल द्वारा गुम हुए मोबाइल की लगातार खोज की जा रही है वर्ष 2022 में अब तक 500 से अधिक गुम मोबाइल खोज कर वापस किए जा चुके हैं । इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्व दीपक त्रिपाठी , सायबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक कृष्णा साहू , आरक्षक डेमन ओगरे , रवि चौबे ,वीरकेश्वर प्रताप सिंह एवं महिला आरक्षक रेणु टोप्पो उपस्थित थे ।

उपस्थिति के लिये नोटिस

न्यायालय पंकज आलोक तिर्की व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1 बलरामपुर,स्थान-रामानुजगंज

व्य0वा0क्र0-02ब/ 2021

प्रति,

कल्याण सिंह आ0 स्व0 बैजनाथ सिंह आयु 53 वर्ष, जाति-मार, पेशा-खेती, निवासी ग्राम एवं पोस्ट-महाराजगंज, तहसील-बलरामपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) के विरुद्ध वादी चन्द्रमौली यादव के द्वारा 5,35,000/- रुपये वसूली हेतु एक व्यवहार वाद प्रस्तुत किया गया है, जिसमें आपको अपना बचाव करने के लिये स्वतः या अपने किसी अधिवक्ता के माध्यम से जिन्हें मुकदमे का हाल अच्छी तरह समझा दिया गया हो, उपस्थित होने के लिये तिथि 29. 11.2022 निर्धारित कर समंस दिया जा रहा है। यदि आप बिना किसी वैध कारण के उपस्थित नही होते हैं, तो आपके अनुपस्थिति में सुनवाई किया जाकर प्रकरण का निराकरण कर दिया जायेगा।

स्थानः-रामानुजगंज
दिनांक-29/10/2022

(पंकज आलोक तिर्की)
व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1
रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज
(छ0ग0)

न्यूजीलैंड को 20 रन से हरा,सेमीफाइनल की दौड़ में बरकरार इंग्लैंड

मेलबर्न,01 नवम्बर 2022। सलामी बल्लेबाजों जोस बटलर और एलेक्स हेल्स के अर्धशतक के बाद सैम कुरेन और क्रिस वोक्स की उम्दा गेंदबाजी से इंग्लैंड ने मंगलवार को यहां न्यूजीलैंड को आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में 20 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखी। इंग्लैंड के 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम कुरेन (26 रन पर दो विकेट) और वोक्स (33 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने छह विकेट पर 159 रन ही बना सकी। ग्लेन फिलिप्स (62) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा कप्तान केन विलियमसन (40) के साथ तीसरे विकेट के लिए 91 रन जोड़े लेकिन यह टीम को जीत दिलाने के लिए नाकाफी था।

इस जीत से ग्रूप एक में इंग्लैंड सहित तीन टीम के चार मैच में पांच अंक हो गए हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के भी इतने ही अंक हैं। बेहतर नेट रन रेट के कारण न्यूजीलैंड शीर्ष पर और इंग्लैंड दूसरे स्थान पर है। इंग्लैंड ने कप्तान बटलर (47 गेंद में 73 रन, सात चौके, दो छक्के) और हेल्स (40 गेंद में 52 रन, सात चौके, एक छक्का) के बीच पहले विकेट की 81 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 179 रन बनाए। न्यूजीलैंड को अपना पांचवां और अंतिम ग्रुप मैच चार नवंबर को आयरलैंड से खेलना है जबकि इंग्लैंड की टीम इसके अगले दिन श्रीलंका से भिड़ेगी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने पांचवें ओवर में 28 रन तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों डेवोन कॉनवे (03) और फिन एलेन (16) के विकेट गंवा दिए। वोक्स के पारी के दूसरे ओवर में विकेटकीपर बटलर ने लेग साइड की ओर गोता लगाते हुए कॉनवे का शानदार कैच लपका। एलेन भी पांचवें ओवर में कुरेन पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में गेंद को हवा में खेल बैठे और स्टोक्स ने डीप मिडविकेट पर आसान कैच लपका। विलियमसन और श्रीलंका के खिलाफ पिछले मैच के शतक जड़ने वाले फिलिप्स ने इसके बाद पारी को संभाला। न्यूजीलैंड ने पावरप्ले में दो विकेट पर 40 रन बनाए। फिलिप्स चार रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब लियाम लिविंगस्टोन की गेंद पर बटलर उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। फिलिप्स को 15 रन के स्कोर पर दूसरा जीवनदान मिला।

इस बार आदिल राशिद की गेंद पर मोईन अली कवर में उनका कैच नहीं पकड़ पाए। फिलिप्स ने इसके बाद आक्रामक रवैया अपनाया। उन्होंने वुड पर छक्का जड़ने के बाद 14वें ओवर में राशिद पर लगातार दो छक्कों

के साथ टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। फिलिप्स ने राशिद पर दो रन के साथ सिर्फ 25 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। विलियमसन हालांकि बेन स्टोक्स (10 रन पर एक विकेट) की गेंद पर शॉर्ट थर्ड मैन पर राशिद को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 40 गेंद की अपनी पारी में तीन चौके मारे। न्यूजीलैंड को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 57 रन की दरकार थी। वुड ने जेम्स नीशाम (06) को कुरेन के हाथों कैच कराके न्यूजीलैंड को चौथा झटका दिया जबकि अगले ओवर में वोक्स की गेंद पर डेरिल मिशेल (03) भी लांग ऑन पर स्थानापन्न खिलाड़ी क्रिस जोर्डन के हाथों लपके गए। टीम को अंतिम तीन ओवर में 49 रन की जरूरत थी।

फिलिप्स भी कुरेन की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में जोर्डन के हाथों लपके गए। उन्होंने 36 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और तीन छक्के मारे। मिशेल सेंटनर (नाबाद 16) और ईश सोढ़ी (नाबाद 06) इसके बाद हार के अंतर को ही कम कर पाए। इससे पहले बटलर इस पारी के दौरान इयोन मोर्गन को पछाड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। भाग्य ने भी बटलर का साथ दिया। उन्हें आठ और 40 रन के स्कोर पर जीवनदान मिले। उन्हें पहला जीवनदान पावरप्ले में मिला जब न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष केन विलियमसन ने कवर्स में कूदते हुए गेंद को पकड़ लिया लेकिन जब वह नीचे गिरे तो गेंद उनके हाथ से छूट गई।

हेल्स के आउट होने के बाद बटलर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने लॉकी फर्ग्युसन को निशाना बनाया और एक बार फिर उन्हें भाग्य का साथ मिला जब मिडविकेट बाउंड्री पर डेरिल मिशेल ने उनका आसान कैच टपका दिया। टीम में वापसी के बाद शानदार फॉर्म में चल रहे 33 साल के हेल्स ने पिछली 12 पारियों में तीसरा अर्धशतक जड़ा। दोनों पावरप्ले में हवा में शॉट खेलने से बचे जो उनका स्वाभाविक खेल नहीं है। इंग्लैंड ने 10 ओवर में बिना विकेट खोए 77 रन बनाकर बड़े स्कोर का मंच तैयार किया। मिशेल सेंटनर (25 रन पर एक विकेट) और ईश सोढ़ी (23 रन पर एक विकेट) ने रन गति पर कुछ अंकुश लगाया। बाएं हाथ के स्पिनर सेंटनर अपनी गति में अच्छी विविधता की। सेंटनर ने हेल्स को स्टंप कराके न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई।

तीसरे नंबर पर भेजे गए मोईन अली ने निराश किया और पांच रन बनाने के बाद 14वें ओवर में फर्ग्युसन (45 रन पर दो विकेट) का शिकार बने। न्यूजीलैंड ने हालांकि अंतिम तीन ओवर में बेहतर गेंदबाजी करते हुए बटलर सहित चार विकेट चटकाए और इस दौरान सिर्फ 22 रन खर्च किए। टिम साउथी के पारी के 19वें ओवर में हैरी ब्रूक (08) और बेन स्टोक्स (08) तीन गेंद के भीतर पवेलियन लौटे जिससे इंग्लैंड की टीम ने उम्मीद से 10 से 15 रन कम बनाए।

भारत विश्व कप जीतने आया है,हम नहीं, हमारी जीत उलटफेर भरी जीत होगी:शाकिब

ढाका ,01 नवम्बर 2022। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन को यह स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं कि उनकी टीम टी20 विश्व कप में खिताब की दावेदार नहीं है और भारत के खिलाफ बुधवार को होने वाले मैच में जीत उलटफेर मानी जाएगी। बांग्लादेश और भारत दोनों के तीन मैचों में चार अंक हैं। शाकिब ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा,'' हम यहां विश्वकप जीतने के लिए नहीं आए हैं लेकिन भारत कप जीतने के लक्ष्य के साथ आया है। अगर हम कल जीत दर्ज करते हैं तो यह उलटफेर भरी जीत होगी। भारत कल जीत का प्रबल दावेदार होगा।''

एडिलेड का सर्द मौसम परेशानियां खड़ी कर सकता है और ऐसे में परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना महत्वपूर्ण होगा। शाकिब ने कहा,'' यह थोड़ा परेशानी भरा होगा। होबार्ट में बड़ी ठंड थी और यहां भी ठंड है। ठंड से सामंजस्य बिठाना मुश्किल होता है लेकिन अधिकतर खिलाड़ी कभी न कभी यहां खेले हैं। आप मौसम को नहीं बदल सकते। हमें इससे तालमेल बिठाना होगा।'' शाकिब को सूर्यकुमार यादव को पिछले एक साल में भारत का सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज बल्लेबाज बताने में झिझक नहीं लेकिन उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को प्रत्येक भारतीय बल्लेबाज पर नजर रखने की जरूरत है।

उन्होंने कहा,'' अगर आप अच्छा नहीं खेलते हो तो आप भारत के लिए विश्वकप नहीं खेल रहे होते। उनका बल्लेबाजी क्रम बेजोड़ है।'' शाकिब ने मैच के लिए अपनी रणनीति का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा,'' हम रणनीति के साथ मैदान पर उतरेंगे लेकिन यह जरूरी नहीं कि वह कारगर साबित होगी। हमारे सभी 11 खिलाड़ी काबिल हैं और हम अपने मजबूत पक्षों के सहारे अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

बंगलादेश दौरे के लिये टीम में वापस आए जडेजा

मुंबई ,,01 नवम्बर 2022। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने दिसंबर में बंगलादेश दौरे के लिए भारत की टेस्ट और एकदिवसीय टीम में वापसी की है। बीसीसीआई ने यह जानकारी दी। जडेजा को एशिया कप के दौरान घुटने में चोट आई थी। वह घुटने की सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें टी20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं किया गया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी पीठ की चोट के कारण टी20 विश्व कप से बाहर रहे, हालांकि उन्हें बंगलादेश दौरे के लिये टीम में शामिल नहीं किया गया है।

हनुमा विहारी को दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है जबकि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर हुए अजिंक्या रहाणे अब भी टीम में

वापस नहीं आए हैं।

भारत चार, सात और 10 दिसंबर को मीरपुर में तीन एकदिवसीय मैचों के साथ बांग्लादेश दौरे की शुरुआत करेगा, जिसके बाद चट्टोग्राम (14-18 दिसंबर) और मीरपुर (22-26 दिसंबर) में दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

भारत टेस्ट टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव।

भारत वनडे टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, यश दयाल।

कोहली के कमरे में घुसपैठ पर होटल ने माफी मांगी

पर्थ ,01 नवम्बर 2022। आईसीसी टी20 विश्व कप में यहां भारतीय टीम की मेज़बानी करने वाले होटल 'क्राउन पर्थ' ने विराट कोहली के कमरे में घुसपैठ की घटना पर माफी मांगते हुए कहा कि इस कृत्य में शामिल लोगों को नौकरी से हटा दिया है। होटल ने बयान जारी कर कहा, हम अतिथि (कोहली) से माफी मांगते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठायेंगे ताकि ऐसी घटना की पुनरावृति न हो। बयान में यह भी कहा गया, यह व्यवहार बिल्कुल सहनीय नहीं है और यह हमारे टीम के सदस्यों और ठेकेदारों के लिए निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरता है। क्राउन ने इस मुद्दे को सुधारने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं। इसमें शामिल व्यक्तियों को क्राउन से हटा दिया गया है। क्राउन तीसरे पक्ष के ठेकेदार के साथ एक जांच कर रहा था और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा कि इस प्रकार की घटना फिर से न हो।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जहीर खान को समझ नहीं आई रोहित शर्मा की कप्तानी,बताई बड़ी खामी

मेलबर्न,01 नवम्बर 2022। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जिस तरह से भारतीय टीम को करीबी मुकाबले में हार का मुंह देखना पड़ा उसके बाद टीम पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। विश्वकप में यह भारत की पहली हार है। ऐसे में इस हार के बाद ना सिर्फ टीम के प्रदर्शन बल्कि कप्तान रोहित शर्मा के फैसलों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। पूर्व गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि रोहित शर्मा बतौर कप्तान अपने संसाधनों का सही से इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। वह अपनी योजना को ठीक से बना नहीं पा रहे हैं।

भारत ने मौका गंवाया

जहीर खान ने कहा कि आप मैच में ऐसी स्थिति में थे जहां से आपको मैच को लीड करना चाहिए था और मैच को जीतना चाहिए था। इसी वजह से मैं निराश हूं, बाकी सब चीजें ठीक हैं। जब आपको पता होता है कि आपने क्या किया। आपने मैच को खुद हाथ से जाने दिया। आपने वहां से मैच को हाथ से जाने दिया, दक्षिण अफ्रीका को मैच में आने का मौका दिया और अंत में वह मैच जीते।

अच्छी स्थिति में होकर भी छोड़ा मैच

10 ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 94 रन बनाने थे, दक्षिण अफ्रीका की टीम पर अच्छा खासा दबाव भी उस वक्त था। मिलर और मारक्रम बल्लेबाजी कर रहे थे, ऐसे में इस हालात में इस तरह की पिच पर कोई भी टीम जो गेंदबाजी कर रही है वह आगे होगी। इस जगह से किसी भी टीम को मैच को बचाना चाहिए थे। टीम इंडिया ने शुरू के 10 ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी की थी। लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने ना हर क्षेत्र में निराश किया। दक्षिण अफ्रीका को हमने मैच में आने दिया, हमे इसपर सच में सोचने की जरूरत है।

आई-लीग 2022-23 सीजन 12 नवंबर से शुरू होगा

मलप्पुरम, ,01 नवम्बर 2022। डिफेंडिंग चैंपियन गोकुलम केरला एफसी और पिछले सीजन के उपविजेता मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब 12 नवंबर को मलप्पुरम के पयनाद स्टेडियम में हीरो आई-लीग सीजन के पहले मैच में एक-दूसरे से भिड़ेंगे। पिछले दो सीज़न में लीग को बायो बबल के दायरे में खेला गया था, क्योंकि सभी मैच कोलकाता, कल्याणी और नैहाटी में खेले गए थे। प्रतिबंध हटाए जाने के साथ, हीरो आई-लीग एक बार फिर अखिल भारतीय मामला है, क्योंकि 12 क्लब देश भर में 13 स्थानों पर खेलने के लिए तैयार हैं।

गोकुलम केरल अपने छह घरेलू मैच केरल के मलप्पुरम के पयनाद स्टेडियम में खेलेगा, जबकि अन्य पांच कोझीकोड के ईएमएस स्टेडियम में खेले जाएंगे, जहां वे पहले से ही पिछले अभियानों में खेल रहे हैं। श्रीनगर में बख्शी स्टेडियम, हीरो आई-लीग की शुरुआत भी करेगा,

जिसमें रियल कश्मीर एफसी फरवरी से आयोजन स्थल पर स्थानांतरित हो जाएगा।

हैदराबाद में डेक्कन एरिना और नई दिल्ली में छत्रसाल स्टेडियम इस सीजन में क्रमशः श्रीनिदी डेक्कन एफसी और सुदेवा दिल्ली एफसी के लिए लीग में अन्य दो डेब्यू स्थल होंगे।इस बीच, हीरो आई-लीग अपने पसंदीदा स्थानों में से एक, दक्षिण बॉम्बे में एक बार फिर लौटेगा, जिसमें केनक्रे एफसी प्रतिष्ठित कूपरेज में अपने घरेलू खेलों की मेजबानी करेगा। दिल्ली में ऐतिहासिक अंबेडकर स्टेडियम राजस्थान यूनाइटेड एफसी की मेजबानी करेगा। अन्य क्लबों में मोहम्मडन स्पोर्टिंग किशोर भारती क्रीरंगन, कोलकाता, चर्चिल ब्रदर्स एफसी गोवा से बम्बोलिम स्टेडियम, गोवा, आइजोल एफसी राजीव गांधी स्टेडियम, आइजोल, राउंडग्लास पंजाब से पंचखुला में ताऊ देवी लाल स्टेडियम से संचालित होगा। जबकि इम्फाल क्लब नेरोका एफसी और ट्राई एफसी खुमान लम्पक स्टेडियम से संचालित होंगे।

÷इस सीज़न के आई-लीग को लेकर बहुत उत्साह है, लीग एक बार फिर घर और बाहर प्रारूप में आयोजित होने वाली है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत ध्यान रखा है कि लगभग 80 प्रतिशत मैच फ्लडलाइट्स के तहत खेले जाएंगे, और इससे पता चलता है कि इनमें से अधिकांश स्थानों पर कितना विकास हुआ है,÷ एआईएफएफ के महासचिव डॉ शाजी प्रभाकरन ने कहा।

÷मैं सभी क्लबों को उनके अभियान के लिए शुभकामनाएं देता हूं। सर्वश्रेष्ठ टीम जीत सकती है। हम प्रसारण गुणवत्ता और समग्र उत्पाद गुणवत्ता में सुधार करके हीरो आई-लीग में मूल्य जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें पहले से ही अगले के लिए काम करना शुरू करना होगा। मूल्य प्रस्ताव में सुधार के लिए क्लबों और हमारे मार्केटिंग भागीदारों को सक्रिय रूप से शामिल करके सीजन। नया प्रबंधन एक लीग संरचना के बारे में गंभीर है जो भारत में फुटबॉल को एक नए स्तर पर ले जाएगा।÷

फिर साथ काम करेंगे विजय देवरकोंडा और करण जौहर

विजय देवरकोंडा की फिल्म लाइगर का रिलीज से पहले खूब प्रचार किया गया था। फिल्म को लेकर निर्माताओं ने अच्छा हाइप बनाया था। हालांकि, जब फिल्म पर्दे पर आई तो इसका कंटेंट दर्शकों को पसंद नहीं आया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई। लाइगर से विजय पहली बार हिंदी दर्शकों के बीच आए थे। ऐसे में इस असफलता की खूब चर्चा हुई। अब खबर आई है कि करण जौहर और विजय फिर से साथ काम कर सकते हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार लाइगर फ्लॉप होने के बाद भी निर्माता करण जौहर और विजय के बीच अच्छा रिश्ता है। दोनों एक दूसरे से संपर्क में हैं और नए प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। लाइगर को करण ने पुरी जगन्नाध के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया था, लेकिन इस फिल्म को करण अकेले ही बनाएंगे। यह एक रोमांटिक फिल्म होगी। बता दें विजय करण से चैट शो कॉफी विद करण में भी नजर आए थे। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म फ्लॉप होने के बाद विजय और निर्माता-निर्देशक पुरी जगन्नाध के रिश्तों में दरार आ गई है। पुरी और विजय की चर्चित फिल्म जन गण मन फिलहाल ठंडे बस्ते में चली गई है। अब पुरी इस फिल्म को विजय की बजाय किसी ए-लिस्टर बॉलीवुड अभिनेता के साथ बनाने का मन बना चुके हैं। हालांकि, देखने वाली बात यह है कि लाइगर की असफलता के बाद वह नए अभिनेता को कैसे मना पाएंगे।

केट शर्मा ने व्हाइट ड्रेस में दिखाया ऐसा हुस्न का जलवा

एक्ट्रेस केट शर्मा अपने बोल्ड अंदाज और हॉटनेस से फैंस के बीच जलवा बिखेरने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी एक झलक के लिए फैंस बेताब रहते हैं। वहीं, व्हाइट आउटफिट में वो काफी कातिलाना नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा व्हाइट कलर के बोल्ड आउटफिट में नजर आ रही हैं। केट शर्मा का ये कातिलाना अंदाज फैंस को काफी भा रहा है। एक्ट्रेस केट शर्मा ने आउटफिट में इतने कट लगे हैं कि फैंस उनकी टोंड बॉडी को निहार रहे हैं। केट शर्मारूहदार और कुछ तो जरूरी है जैसी फिल्मों में नजर आई हैं। केट शर्मा अपनी बोल्ड तस्वीरें देने से कभी नहीं झिझकती हैं। वो कभी बिकिनी में शूट करवाती तो कभी बाथटब में टॉवेल लपेटकर फोटोशूट करवाती हैं। केट ने मशहूर फिल्म डायरेक्टर सुभाष घाई पर मीटू कैंपेन के तहत सुभाष घाई पर आरोप लगाया था। एक्ट्रेस केट शर्मा का असली नाम कोमल शर्मा है। केट शर्मा हर आउटफिट में अपना जलवा बिखेर ही देती हैं। उनकी तस्वीरों पर फैंस अपना जमकर प्यार बरसाते हैं। केट शर्मा भले ही फिल्मों में कुछ ज्यादा खास नहीं कर पाई हो लेकिन, इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 2.7 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नगाड़ा बजाकर राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य समारोह का किया शुभारंभ

रायपुर, 01 नवम्बर 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नगाड़ा बजाकर राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर, संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, आबकारी मंत्री कवासी लखमा, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित हैं।

राज्योत्सव पर मुख्यमंत्री का नागरिकों को उपहार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप नागरिकों को आवश्यक सेवायें घर पर ही उपलब्ध कराने के लिये मुख्यमंत्री मितान योजना शुरू की गयी थी । इस योजना की सफलता को देखते हुये 1 नवंबर से इसमें एक और सेवा को जोड़ा जा रहा है । इस योजना के तहत अब 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार मितान द्वारा घर आकर बनाया जाएगा। टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल कर अपनी सुविधानुसार अप्वाइंटमेंट बुक किया जा सकता है। आवेदक द्वारा दी गयी नियत तिथि एवं समय अनुसार मितान घर आकर बच्चों का आधार पंजीकरण करने आएंगे। पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण होने के कुछ ही दिनों में बच्चे का आधार आवेदक द्वारा दिए गए पते पर आ जाएगा।

मुख्यमंत्री मितान योजना के माध्यम से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार बनाने के लिए निम्न दस्तावेज आवश्यक हैं- राशन कार्ड, सीजीएसएस/ स्टेट गवर्नमेंट/ ईसीएचएस/ ईएसआईसी /मेडिकल कार्ड, आर्मी कैंटीन कार्ड, पासपोर्ट, बर्थ सर्टिफिकेट, राज्य अथवा केंद्र सरकार द्वारा जारी परिवार से संबंधित दस्तावेज

बच्चों के आधार पंजीकरण के समय माता, पिता मे से किसी एक का आधार नंबर एवं बायोमेट्रिक अनिवार्य होगा ।

छोटे बच्चों का आधार बनाने के लाभ

5 वर्ष तक के बच्चों का आधार बनाने से विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए महत्वपूर्ण होता है। छोटे बच्चों का आधार बनाने से यह एक डिजिटल फोटो पहचान के रूप में भी काम आता है। इसके अतिरिक्त पासपोर्ट, पेन कार्ड, बैंक खाता के लिए भी आधार कार्ड उपयोगी रहेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मितान योजना को फिलहाल प्रदेश के 14 नगर निगमों में शुरू किया गया है जिसे बाद मे प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में शुरू किया जाएगा । इस योजना में अब तक जन्म प्रमाण-पत्र,मृत्यु प्रमाण-पत्र,विवाह प्रमाण-पत्र,जाति प्रमाण-पत्र,निवास प्रमाण-पत्र जैसे ज़रूरी सेवाएं घर बैठे मिल रही हैं।

जम्मू-कश्मीर के धमाली नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आदिवासी नृत्य महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर, संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, आबकारी मंत्री कवासी लखमा, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित हैं। राज्य गीत ,अरपा पैरी के धार से राज्योत्सव 2022 का शुभारंभ, मंच पर अतिथिगण मौजूद रहे। आध्यात्मिक रंग लिए यह नृत्य अद्वैत शिव की आराधना से सम्बंधित है।

इस नृत्य के माध्यम से सर्वशक्तिमान ईश्वर के प्रति आस्था प्रकट कर उनकी आराधना की जाती है। हाथ मे आलम धागा बाँध कर नृत्य के मध्यम से ईश्वर से सुखद जीवन कामना की जाती है।

– अचीवमेंट इन हंटिंग, हाइटाइट स्ट्रेंथ, इंट्यूशंस ऑफ एनिमल्स एंड लाइफस्टाइल। मंगोलिया के नर्तक दल ने इन विषयों पर केंद्रित प्रस्तुतियों से बांधा समा। अभी की जो प्रस्तुति हो रही है वो, स्पेशल टाइप ऑफ डांस फॉर्म जिसे वेस्टर्न मंगोलिया में किया जाता है, इसमें कुकिंग , हंटिंग को दिखाया जा रहा है।

अपराध गढ़ बन गया है छत्तीसगढ़ : रमन सिंह

रायपुर, 01 नवम्बर 2022। पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने राज्य स्थापना दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई दी है। डॉ. रमन सिंह ने कहा है कि, पृथसक राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ ने विकास के नए आयाम छुए हैं। इस विकास का श्रेय उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटाल बिहारी बाजपेयी को समर्पित किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की यात्रा का यह तीसरा खंड है जिसमें छत्तीसगढ़, अपराधगढ़ बन गया है।

दरअसल आज छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व सीएम डा. रमन सिंह ने प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ ने विकास के नए आयाम छुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस विकास को मैं छत्तीसगढ़ के निर्माता पूर्व पीएम अटल जी को समर्पित करता हूं। राज्य के इस यात्रा को तीन खण्ड में बांटा जा सकता है। 2003 से 2018 और अभी इस यात्रा का तीसरा खण्ड चल रहा है।

उन्होंने राज्य सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की यात्रा के इस तीसरे खंड में आज छत्तीसगढ़, अपराध गढ़ बन गया है। आज छत्तीसगढ़ ईडी और सीडी में उलझा हुआ है। ऐसे में सरकार को पद में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। छत्तीसगढ़ में सिर्फ नारे की सरकार चल रही है। गौठानो में भी किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां तक की गौठानों में मवेशियों के लिए चारा-पानी और बाउंड्री वाल तक नहीं है।

ट्रक से साढ़े 4 लाख का धान जब्त,ड्राइवर से पूछताछ जारी

कवर्धा, 01 नवम्बर 2022। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर शुरू होने वाले धान खरीदी के ठीक 48 घंटा पहले प्रदेश के अंतरराज्यीय सीमा कबीरधाम जिले की चिल्फी पर धान के अवैध परिवहनों पर कार्रवाई करने में बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त मॉनिटरिंग टीम ने देर रात ट्रक से साढ़े 4 लाख का धान जब्त किया है।

अन्तरराज्यीय सीमा की निगरानी के लिए गठित जिला स्तरीय संयुक्त मॉनिटरिंग टीम ने देर रात संदेह के आधार पर ट्रक क्रमांक सीजी 04 जेडी 3634 को अकस्मात रूकवार जांच की। जांच में ट्रक में लोड 721 बोरा 215 क्विंटल धान मिली। पूछताछ में ट्रक के वाहन चालक ने धान के बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं दी और न ही उनसे यह भी बताया पाया कि धान कहा से कहा ले जाना है। उनके पास मंडी लाइसेस से संबंधित कोई दस्तावजे भी नहीं मिला।

जब्त धान की बाजार मूल्य 4 लाख 60 हजार रूपए आंकी गई है। जिला खाद्य अधिकारी अरूण मेश्राम व टीम द्वारा जब्त धान का चिल्फी थाने की अभिरक्षा की रखवाई गई है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में बससे अधिक दर पर धान खरीदी शुरू होने से पहले राज्य के सीमावर्ती अन्य राज्यों से बड़ी मात्रा में धान का अवैध परिवहन करने की जानकारियां लगातार मिल रही थी।

युवक ने की थी आत्महत्या, मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, 01 नवम्बर 2022। जिला पुलिस को मामले में बड़ी सफलता मिली है। मामले में जानकारी देते हुए सकरी पुलिस ने बताया कि एक युवक ने जहर खाकर आत्महत्या की थी। जिसका खुलासा करते हुए पुलिस ने 3 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मृतक ने आरोपियों से कर्जा लिया था और ये तीनों आरोपियों ने मृतक को पैसा वापस मांगने के लिए डराया धमकाया था। और युवक ने भी में आकर ज़हर का सेवन किया और उसकी मौत हो हो। भयादोहन कर ब्याज की रकम वसूली करने एवं आत्महत्या के लिए दुस्प्रेरित करने वाले फरार तीन आरोपियों को पकड़ने में सकरी पुलिस को मिली सफलता। आरोपीगणों के प्रताडना से क्षुध होकर मृतक ऋषभ निगम ने जहर सेवन कर की थी आत्महत्या।

राज्योत्सव और राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य का सर्व आदिवासी समाज ने किया बहिष्कार

राजनांदगांव, 01 नवम्बर 2022। आदिवासी आरक्षण में 12 फ़ीसदी कटौती के मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज द्वारा आज राजनांदगांव कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य उत्सव और राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का बहिष्कार किया गया है। इस दौरान काली पट्टी बांधकर आदिवासियों ने अपना विरोध जताया है।

आदिवासी समाज के आरक्षण में कटौती के मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने आज राजनांदगांव शहर के कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करते हुए आरक्षण में कटौती को लेकर प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। इस दौरान आदिवासियों ने काली पट्टी बांधकर छत्तीसगढ़ राज्योत्सव और राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का बहिष्कार किया है।

सर्व आदिवासी समाज के द्वारा 32 प्रतिशत आदिवासी आरक्षण को यथावत रखने की मांग को लेकर किए गए इस धरना प्रदर्शन में चरणबद्ध आंदोलन किए जाने की रूपरेखा भी तैयार की गई है, जिसके तहत आगामी 15 नवंबर को प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी करते हुए छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा के समीप चिचोला नेशनल हाईवे में चक्का जाम किए जाने का ऐलान किया गया है। वहीं आदिवासी समाज ने मांग की है कि आदिवासियों का 32 प्रतिशत आरक्षण यथावत किया जाए अन्यथा 32 फीसदी आरक्षण यथावत नहीं किए जाने तक उनका आंदोलन लगातार जारी रहेगा।

खाद्य मंत्री ने मंदिर हसौद में धान खरीदी का किया शुभारंभ

रायपुर, 01 नवम्बर 2022। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने आज रायपुर जिले के मंदिर हसौद सहकारी समिति केंद्र में मां अन्नपूर्णा देवी की पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। मंत्री भगत ने प्रदेश के किसानों को शुभकामनाये दी । इस मौके पर एम डी मार्कफेड मनोज सोनी सही अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

गौरतलब है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत खरीफ फसलों की उत्पादकता में वृद्धि तथा फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को प्रति एकड़ के मान से 9 हजार रूपए तथा धान की खेती बदले अन्य फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ की मान से 10 हजार सब्सिडी दी जा रही है। बीते तीन सालों में राज्य के किसानों को 16 हजार 415 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी जा चुकी है। वर्ष 2019 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले 18.43 लाख किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रूपए के मान से 5627 करोड़ रूपए, वर्ष 2020 में 20.59 लाख किसानों को 5553 करोड़ रूपए तथा वर्ष 2021 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले 24 लाख किसानों को तीन किश्तों में 5235 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी जा चुकी है। वित्तीय वर्ष के अंत तक किसानों को चौथी किश्त के रूप में 1745 करोड़ रूपए की सब्सिडी और दी जाएगी। इस प्रकार इस राज्य के किसानों को कुल 6980 करोड़ रूपए सब्सिडी के रूप में मिलेंगे।

छत्तीसगढ़-अंधविश्वास में मौत:मानसिक रोगी पर बैगा ने दागा गर्म त्रिशूल,हुई मौत,हत्या का अपराध दर्ज...

बिलासपुर, 01 नवम्बर 2022। अंधविश्वास के चलते न्यायधानी में एक ग्रामीण की मौत हो गयी। मानसिक रोगी ग्रामीण को परिजन इलाज के लिए बैगा गुनिया के पास ले गए थे। बैगा ने झाड़-फूंक कर इलाज करने के बहाने गर्म त्रिशूल से ग्रामीण के शरीर को कई जगह दागा। जिससे ग्रामीण की मौत हो गयी। अब पुलिस ने बैगा पर हत्या का अपराध दर्ज कर लिया है। वही आरोपी बैगा फरार हो गया है।

मिली जानकारी के अनुसार रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पोड़ी में रहने वाले 35 वर्षीय टेकूराम निर्मलकर की मानसिक स्थिति विगत चार माह से ठीक नही थी। जिसके चलते उसकी पत्नी व घर वाले उसका इलाज अस्पताल में करवा रहे थे। पर स्वास्थ्य में कोई सुधार नही होता देख उसे घर ले आये। इस बीच पता चला कि मस्तूरी थाना क्षेत्र के ग्राम मल्हार जुनवानी स्थित उनका ही रिश्तेदार लीला रजक बैगा- गुनिया है। व झाड़-फूंक का काम करता है। तब टेकूराम के रिश्तेदारों ने उससे बात की तो लीला रजक ने झाड़-फूंक से उसे ठीक करने का आश्वासन दिया और पति पत्नी को इलाज हेतु बुलाया। टेकूराम की पत्नी 23 अक्टूबर को उसे लेकर उसके मल्हार जुनवानी स्थित घर पहुँची। वहां पहुँच कर दोनो पति पत्नी को अपने घर पर रखकर बैगा लीला रजक झाड़- फूंक करता रहा। झाड़ फूंक के बहाने टेकूराम को वह गर्म चिमटे से शरीर पर जगह जगह दागता रहा और बीस से तीस जगह जला दिया।

चार दिन पूरा होने पर लीला रजक ने मानसिक रोगी की पत्नी को कहा कि इसके अंदर बैठे प्रेत आत्मा को उसने जला कर भगा दिया है। और यह जल्द ही ठीक हो जाएगा। यह कह कर वापस भेज दिया। दोनो पति पत्नी घर आ गए। पर शरीर मे जगह जगह जलने से इंफेक्शन फैल गया और 30 अक्टूबर की शाम 4 बजे उसकी मौत हो गयी। जिसकी सूचना उसके घर वालो ने पुलिस को नही दी। और 31 अक्टूबर को उसका अंतिम संस्कार करने लगे। जिसकी सूचना गांव के सरपंच ने रतनपुर पुलिस को दे दी। जिस पर रतनपुर पुलिस तुरंत ही मौके पर पहुँच गयी और अंतिम संस्कार रुकवा कर शव को पंचनामा कर अपने कब्जे में ले लिया। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए बैगा के गांव में दबिश दी। पर वह फरार हो गया था। चूंकि घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र में घटित हुई थी। अतः रतनपुर पुलिस ने शून्य में बैगा पर अपराध दर्ज कर मस्तूरी पुलिस को डायरी भेज रही है।

पूरे छग को भगवामय करने की तैयारी,जूदेव नगरी में जशपुर से होगा भगवा शंखनाद

संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ जशपुर आएंगे देश के कई दिग्गज

जशपुर, 01 नवम्बर 2022। ठीक एक साल बाद छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होना है और चुनाव के ठीक एक साल पहले भाजपा चुनावी बिगुल फूंकने जा रही है।खाश बात यह कि 2003 के चुनाव में अपनी मूछों को दांव पर लगाकर कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने वाले भाजपा के दिवंगत नेता स्व दिलीप सिंह जूदेव की नगरी जशपुर से चुनावी शंखनाद किया जाएगा।

आगामी 14 नवंबर को पूरे 9 साल बाद स्व दिलीप सिंह जूदेव के आदम कद प्रतिमा का अनावरण होने जा रहा है और प्रतिमा का अनावरण आर एस एस प्रमुख मोहन भागवत करने वाले हैं।

जानकारी के मुताबिक 14 नवंबर को संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ देश के कई दिग्गज भाजपा नेता और कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे ।इस दिन की तैयारी पूरे प्रदेश स्तर पर हो रही है और माना जा रहा है कि इस दिन स्व जूदेव की प्रतिमा के अनावरण के बहाने भाजपा छग में चुनावी यात्रा का श्रीगणेश भी कर देगी ।

यह बता दें कि स्व जूदेव को छग भाजपा का पितृपुरुष लगा जाता हैं।1983 में खरसिया उपचुनाव में अविभाजित मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री से4 अर्जुन सिंह के विरुद्ध चुनाव लड़कर पूरे देश में लोकप्रियता हासिल करने वाले स्व जूदेव को मिशन घर वापसी काहानायक कहा जाता है।इस अभियान के तहत इनके द्वारा अपने धर्म से भटके कई हिंदुओ को फिर से हिंदू धर्म में वापस लाया गया ।इस लिहाज से इन्हे हिंदू कूल तिलक की भी उपाधि से नवाजा गया था।2003 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने अपनी मूछों को दांव पर लगा दिया था जब प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और अजीत जोगी प्रदेश के मुख्यमंत्री थे।2003 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथ से सत्ता छीनने से लेकर भाजपा को सत्ता के सिंहासन पर बैठाने तक में इनकी भूमिका सबसे अहम रही ।माना जाता है कि इनके दम पर ही 2003 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी।जशपुर जिले की बात करें तो जशपुर में इनके रहते कभी भाजपा चुनाव नहीं हारी।पत्थलगांव को छोड़कर जिले के तीन (वर्तमान में 2)विधानसभा सीटों पर भाजपा का कभी सूर्यास्त ही नहीं हुआ। कहा यहां तक जाता था कि स्व जूदेव जिसके भी सिर पर हाथ रख देते वह विधायक बन जाता था ।इनको लेकर एक लोकोक्ति भी मशहूर रही÷खाता न बही जो कहे जूदेव वो सही÷

2013 में बीमारी के इलाज के दौरान स्व जूदेव का देहांत हो गया । उस वक्त प्रदेश के तात्कालीन मुख्यमंत्री Dr Raman Singh ने जशपुर नगर और कुनकुरी में स्व दिलीप सिंह जूदेव के आदम कद प्रतिमा स्थापित करने का ऐलान किया था लेकिन प्रतिमा स्थापित होने में कई साल लग गए ।2 साल पहले कुनकुरी में स्व जूदेव की प्रतिमा का अनावरण हुआ था लेकिन जूदेव की नगरी जशपुर में इनकी प्रतिमा बनने से लेकर प्रतिमा के अनावरण में 9 साल लगने जा रहे है ।

बीते वर्ष 2021 में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा स्व जूदेव की प्रतिमा का अनावरण किया जाना था लेकिन कोरोना के तीसरी लहर को देखते हुए अनावरण का कार्यक्रम टाल दिया गया था । प्रतिमा अनावरण को लेकर कांग्रेस के विधायक यूडी मिंज ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा था कि भाजपा के लोग अगर प्रतिमा का अनावरण करने में सक्षम नहीं है तो वह इसके लिए प्रदेश के मुखिया से बात करके प्रदेश के मुखिया से स्व जूदेव की प्रतिमा का अनावरण कराया जाएगा ।विधायक के इस बयान के बाद स्व दिलीप सिंह जूदेव के बेटे प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने बयान जारी कर बताया था कि उनके पिता की मूर्ति का अनावरण संघ प्रमुख मोहन भागवत के द्वारा किया जाना तय। हो गया है और तय कार्यक्रम के मुताबिक संघ प्रमुख आगामी 14 नवंबर को स्व दिलीप सिंह जूदेव की मूर्ति का अनावरण करने जशपुर आ रहे हैं।

संघ प्रमुख के आगमन को लेकर पूरे प्रदेश में जोरो की तैयारी चल रही हैं। न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश भर के हिंदूवादी और भाजपा नेताओं का इस दिन जशपुर आगमन होना हैं और इस दिन पूरे छग और खाश कर जशपुर को भग्वामय कर दिया जाएगा । भाजपा का दावा है कि इस दिन यहां तकरीबन 50 हजार लोगो की भीड़ रहेगी । न केवल जशपुर बल्कि पूरे प्रदेश को उस दिन भगवामय किया जाएगा ।

आपको बताते चले कि प्रदेश में भाजपा के वर्तमान में कुल 13 विधायक ही है और कांग्रेस के 71 विधायक हैं ।2018 के चुनाव में पूरे प्रदेश में भाजपा का सुपड़ा साफ हो गया था ।जशपुर में भाजपा को एक सीट पर भी जीत नहीं मिली।तीनों सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी जीत गए ।35 सालों बाद 2018 में जशपुर में भाजपा की शर्मनाक पराजय हुई।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)